



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 13] नई दिल्ली, शनिवार, मार्च 26, 1977 (चैत्र 5, 1899)
No. 13] NEW DELHI, SATURDAY, MARCH 26, 1977 (CHAITRA 5, 1899)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 11 फरवरी 1977

सं० ए० 32014/1/76-प्रशा०-III(1)—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री एस० पी० माथुर को, राष्ट्रपति द्वारा 29-12-76 से 28-2-77 तक की अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 32014/1/76-प्रशा०-III(2)—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री एच० एस० भाटिया को, राष्ट्रपति द्वारा 17-1-77 से 5-3-77 तक 48 दिन की अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 32014/1/76-प्रशा०-III(3)—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री पी० एस० समरवाल को, राष्ट्रपति द्वारा 17-1-77 से 5-3-77 तक 48 दिन की अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो 516GJ/76

(1419)

भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 32014/1/76-प्रशा०-III(4)—संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री जी० नटराजन को, राष्ट्रपति द्वारा 1-2-77 से 18-3-77 तक 48 दिन की अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

सं० ए० 32014/1/76-प्रशा०-III(5)—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 12-1-77 के अनुक्रम में, संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संवर्ग के स्थायी सहायक श्री जी० के० सामन्ता को, राष्ट्रपति द्वारा 31-1-77 से 28-2-77 तक की अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक जो भी पहले हो, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

प्र० ना० मुखर्जी,
प्रवर सचिव,
प्रशासन प्रभारी
संघ लोक सेवा आयोग

गृह मंत्रालय

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स

नई दिल्ली-110001, दिनांक 5 मार्च 1977

सं० ओ०-II-77/77-स्था०-राष्ट्रपति कर्नल जी० एस० सोही (अवकाश प्राप्त) को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स में कमान्डेन्ट के पद पर आगामी आदेश जारी होने तक प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त करते हैं।

2. कर्नल सोही ने केन्द्रीय रिजर्व पुलिस फोर्स की 1 सिगनल बटालियन, नई दिल्ली में दिनांक 22-2-77 के पूर्वाह्न में कमान्डेन्ट के पद का कार्यभार संभाला।

ए० के० बन्धोपाध्याय,
सहायक निदेशक (प्रशासन)

भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा विभाग
कार्यालय महालेखाकार, उत्तर प्रदेश (प्रथम)

इलाहाबाद, दिनांक 23 फरवरी 1977

का० आ० सं० प्रशासन-I/11/144 (xiii)/409--महा-लेखाकार, उत्तर प्रदेश (प्रथम) इलाहाबाद में निम्नांकित अनुभाग अधिकारियों को उनके नामों के आगे अंकित तिथि में आगामी आदेश पर्यन्त इस कार्यालय में स्थानापन्न लेखाधिकारी नियुक्त किया है :—

- | | |
|----------------------------|---------|
| (1) श्री महेन्द्र नाथ गौड़ | 14-2-77 |
| (2) श्री मिकन्दर ज्ञान | 16-2-77 |

उ० रामचन्द्र राव,
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन)

इस्पात और खान मंत्रालय

(इस्पात विभाग)

लोहा और इस्पात नियंत्रण

कलकत्ता-20, दिनांक 28 फरवरी 1977

सं० ई० 1-1(5)/74--लोहा और इस्पात नियंत्रक, श्री रवीन्द्र लाल मैत्रा, अधीक्षक को एतद्वारा 1-2-77 से अस्थायी रूप से उप सहायक लोहा और इस्पात नियंत्रक के पद पर नियुक्त करते हैं।

ए० सी० चट्टोपाध्याय,
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते लोहा और इस्पात नियंत्रक

(खान विभाग)

भारतीय खान व्यूरो

नागपुर, दिनांक 4 मार्च 1977

सं० ए०-19011(67)/75-स्था० ए०-राष्ट्रीय अनु-प्रयुक्त अर्थशास्त्रीय अनुसंधान परिषद्, नई दिल्ली में 'खनिज नैजा-

निक' के रूप में प्रतिनियुक्ति होने पर श्री जी० डी० कालड़ा ने 31 जनवरी, 1977 के अपराह्न में भारतीय खान व्यूरो में उप खनिज अर्थशास्त्री (आसूचना) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

ए० के० तनेजा,
सहायक प्रशासन अधिकारी,
कृते नियंत्रक

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 2 मार्च 1977

सं० 10/59/73-एस०-तीन--महानिदेशक, आकाशवाणी, श्री एस० के० नंदा का सहायक इंजीनियर के पद में, 28 सितम्बर, 1976 (पूर्वाह्न) में त्यागपत्र स्वीकार करते हैं।

दिनांक 4 मार्च 1977

सं० 10/6/75-स्टाफ-तीन--संचार योजना--रेडियो और संचार में सर्वेक्षण परियोजना कार्यालय, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी, रक्षा मंत्रालय में उप परियोजना इंजीनियर के पद पर जाने पर श्री नसीम अहमद को गवेषणा विभाग, आकाशवाणी, नई दिल्ली में सहायक इंजीनियर के पद में दिनांक 29-12-76 के अपराह्न में भारमुक्त किया जाता है।

हरजीत सिंह,
प्रशासन उपनिदेशक,
कृते महानिदेशक

दूरदर्शन महानिदेशालय

नई दिल्ली-110001, दिनांक 26 फरवरी 1977

सं० ए०-19012/51/76-एस०-2--श्री आर० डी० गुप्ता, सहायक अभियन्ता, दूरदर्शन केन्द्र, लखनऊ का त्याग-पत्र दूरदर्शन महानिदेशक 9 फरवरी, 1977 (अपराह्न) में एतद्वारा स्वीकार करते हैं।

सी० एल० आर्य,
उप निदेशक प्रशासन,
कृते महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 5 मार्च 1977

सं० 34-5/73-प्र०-1/भाग 2--अपनी नियुक्ति की अवधि समाप्त हो जाने के फलस्वरूप श्री अमरसन आर० मसीह ने 31 दिसम्बर 1976 के अपराह्न में सफदरजंग अस्पताल नई दिल्ली में बर्कशाप मैनेजर (प्रोमथेटिक) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

शाम लाल कुठियाला,
उप निदेशक, प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 28 फरवरी 1977

सं० ए० 44015/5/76-सी०जी०एच०एस०-1—मऊदी अखर में हज चिकित्सा शिष्टमंडल में प्रतिनियुक्ति से वापिस लौटने के फलस्वरूप डा० मोहम्मद इमहाक ने 21-2-1977 (पूर्वाह्न) से जी०डी०ग्रो० ग्रेड 1 के पद का कार्यभार संभाल लिया।

राजकुमार जिन्दल,
उप निदेशक, प्रशासन

**भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र
(कार्मिक प्रभाग)**

बम्बई-400085, दिनांक 13 जुलाई 1976

सं० 5/1/76-स्थाप०/11/1681—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के नियंत्रक सहायक श्री चंद्रकांत अनंत देशमुख को सहायक कार्मिक अधिकारी श्री जे० राममूर्ति, जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई है, के स्थान पर 26-4-1976 (पूर्वाह्न) से 5-6-1976 (अपराह्न) तक के लिए स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 15 जुलाई 1976

सं० 5/1/76-स्थाप०-11/1700—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के नियंत्रक निम्नलिखित सहायक लेखाकारों को उनके सामने दिये हुए काल के लिए इसी अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्न सहायक लेखाधिकारी नियुक्त करते हैं :—

क्र० सं०	नाम	काल	अभ्युक्ति
1.	श्रीमती शेनवाज परवेज मेहरजी	1-5-76 से 11-6-76	सहायक लेखा अधिकारी श्री आर० जी० मसूरकर जिन्हें लेखा अधिकारी II नियुक्त किया गया है।
2.	श्रीमती माया प्रताप गिडबानी	3-5-76 से 5-6-76	सहायक लेखा अधिकारी श्री एस० जी० शेनाय जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई है, के स्थान पर।

सं० 5/1/76-स्थाप०-11/1711—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के नियंत्रक स्थानापन्न सहायक श्री परमानंद व्यंबकराव बोरकर को सहायक कार्मिक अधिकारी श्री बी० बी० सहस्रबुद्धे जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई है, के स्थान पर 2-4-1976 से 15-5-76 तक के लिये इसी अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 19 जुलाई 1976

सं० 5/1/76-स्थाप०-11/1765—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के नियंत्रक आशुलिपिक (वरिष्ठ) श्री आलियट्टकुट्टील युमेफ मथाई को सहायक कार्मिक अधिकारी श्री के० एस० कृष्णन, जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई है, के स्थान पर 16-2-1976 से 9-4-76 तक के लिये इसी अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० 5/1/76/स्थाप०-11/1766—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के नियंत्रक स्थानापन्न प्रवर श्रेणी लिपिक श्री जान बेजनी को सहायक कार्मिक अधिकारी श्री एम० जी० कर्णिक जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई है, के स्थान पर 3-5-1976 से 19-6-1976 तक के लिए इसी अनुसंधान केन्द्र में सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 30 जुलाई 1976

सं० आर/1771/स्थाप०-11/1983—इस अनुसंधान केन्द्र की 2-7-1974 की अधिमूर्चना सं० पीए/79 (11)/72-आर० IV के क्रम में भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के नियंत्रक महिलेखाकार जम्मू एवं काश्मीर कार्यालय के अनुभाग अधिकारी श्री बंदी नारायण रेना को इसी अनुसंधान केन्द्र (न्यूक्लीय अनुसंधान प्रयोगशाला, श्रीनगर) में मौजूदा शर्तों के अंतर्गत 13 जून, 1976 के पूर्वाह्न से एक माल और के लिए प्रतिनियुक्ति पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 7 अगस्त 1976

सं० 5/1/76/स्थाप०-11/2110—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के नियंत्रक निम्नलिखित सहायकों को उनके सामने लिखे हुए काल के लिए स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं :—

क्र० सं०	नाम	काल	अभ्युक्ति
1.	श्री भीमशंकर विश्वनाथ भागुंड	29-5-76 से 23-7-76	सहायक कार्मिक अधिकारी श्री एम० एम० गोगिया, जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई है, के स्थान पर
2.	श्री वामन सखाराम दीक्षित	4-6-76 से 9-7-76	सहायक कार्मिक अधिकारी श्री एम० बी० रंगनाथन जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई है, के स्थान पर।

दिनांक 16 अगस्त 1976

सं० 5/1/76/स्थाप०-11/2229—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के नियंत्रक स्थानापन्न सहायक श्री चिंतामणि वामुदेव पंडेस को सहायक कार्मिक अधिकारी श्री एम० डी० गाडगिल, जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई है, के स्थान पर 10-5-1976 से 19-6-1976 तक के लिये स्थानापन्न कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 25 अगस्त 1976

सं० 5/1/76/स्थाप०-11/2364—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के नियंत्रक स्थानापन्न सहायक लेखा अधिकारी श्री रावजी गंगाराम मसूरकर को लेखा अधिकारी गर्वश्री के० वेंकटाचलम और एम० के० मोगरे, जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई है, के स्थान पर इसी अनुसंधान केन्द्र में 1-5-1976 से 31-7-1976 तक के लिए स्थानापन्न लेखा अधिकारी II नियुक्त करते हैं।

दिनांक 16 सितम्बर 1976

सं० 5/1/76/स्थाप०-11/2697—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के नियंत्रक इस अनुसंधान केन्द्र के निम्नलिखित अधिकारियों

को उनके सामने दिये हुए पदों पर और दिये हुए काल के लिये स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं :—

क्र० सं०	नाम और पद जिस पद पर नियुक्त हुए	काल
1.	कुमारी हेमलता भगवाराव विजयकर प्रशासनिक अधिकारी- प्रशासनिक अधिकारी-II	1-9-1975 से 19-2-1976
2.	श्री राजंगा हर शम्भुखम प्रशासनिक अधिकारी-I प्रशासनिक अधिकारी-II	17-10-1975 से 16-4-1-76
3.	श्री राधा बल्लभ बाजपाई सहायक कार्मिक अधिकारी प्रशासनिक अधिकारी-I	1-9-1975 से 16-10-1975
4.	श्री राधा बल्लभ बाजपाई सहायक कार्मिक अधिकारी प्रशासनिक अधिकारी-II	17-10-1975 से 31-12-75
5.	श्री गोविंदन सेयुराम सहायक कार्मिक अधिकारी प्रशासनिक अधिकारी-I	17-10-1975 से 12-3-1976
6.	श्री नागराजन वेंकट सुब्रह्मणियन सहायक कार्मिक अधिकारी प्रशासनिक अधिकारी-I	17-10-1975 से 31-12-75

दिनांक 23 मितम्बर, 1976

सं० एम० 2939/स्था० 11/2843 इस अनुसंधान-केन्द्र की 26-5-1975 की अधिसूचना सं० एम/2939/स्था० 11/435 के क्रम में, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के नियंत्रक हिन्दी शिक्षण योजना, गृह मंत्रालय के स्थायी हिन्दी प्राध्यापक श्री चंद्र देव सिंह को 30 मार्च 1976 के पूर्वान्त से एक और माल के लिये अथवा आगामी आदेशों तक के लिये, जो भी पहले हो इसी अनुसंधान केन्द्र में सहायक कार्मिक अधिकारी (हिन्दी) नियुक्त करते हैं।

दिनांक 4 अक्टूबर, 1976

सं० 5/1/76-स्था० 11/2979:—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के नियंत्रक स्थानापन्न सहायक श्री कोचुकुंतु बालकृष्णन को सहायक कार्मिक अधिकारी श्री ए० डी० मोकाशी, जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई है, के स्थान पर 10-5-1976 से 25-6-76 तक के लिये इसी अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

एस० कृष्णमूर्ति

उप स्थापन अधिकारी

बम्बई-400085, दिनांक 21 अक्टूबर 1976

सं० 5/1/76-स्था०-11/3248—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के नियंत्रक स्थानापन्न सहायक श्री रघुनाथ गणपत पाटिल को सहायक कार्मिक अधिकारी श्रीमती ए० के० राजलक्ष्मी, जिन्हें छुट्टी

प्रदान की गई है, के स्थान पर 13-4-1976 से 2-6-1976 तक के लिये इसी अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 2 नवम्बर 1976

सं० जी०-180/एम० ए० पी० पी०/स्था०-II/3373—वार्धक्य निवर्तन की आयु हो जाने पर, बी ए० आर० सी० के स्थायी सहायक फोरमैन श्री के० जार्ज और मद्रास परमाणु शक्ति परियोजना के स्थानापन्न वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर एस० बी० 30 मितम्बर, 1976 के अपराह्न से सेवा निवृत्त हो गए।

दिनांक 22 नवम्बर 1976

सं० 5/1/76-स्था० II/3692—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के नियंत्रक निम्नलिखित स्थानापन्न सहायकों को उनके नाम के सामने दिये द्ये काल के लिए स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं :—

क्रम सं०	नाम	काल	
		से	तक
1.	श्री अनन्त ओंकार विमपुते	1-8-76 (पूर्वान्त)	26-10-76 (अपराह्न)
2.	श्री वसंत आत्माराम पुरंदरे	9-8-76 (पूर्वान्त)	25-9-76 (अपराह्न)
3.	श्री किशिन साधुराम बाधवानी	16-8-76 (पूर्वान्त)	25-9-76 (अपराह्न)
4.	श्री बादामरित अरापरंपिल विजयन मेनन	20-9-76 (पूर्वान्त)	12-11-76 (अपराह्न)

सं० 5/1/76/स्था० II/3593—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के नियंत्रक स्थायी सहायक कार्मिक अधिकारी श्री एन० वेंकट सुब्रह्मणियन को 16-8-1976 से 25-9-1976 तक के लिये इसी अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्न प्रशासनिक अधिकारी II नियुक्त करते हैं।

सं० 5/1/76/स्था०-II/3594—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के नियंत्रक एक स्थायी कार्मिक अधिकारी और स्थानापन्न प्रशासनिक अधिकारी-I श्री आर० एच० शणमुखम को 14-6-76 से 13-8-1976 तक के लिये इसी अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्न प्रशासनिक अधिकारी-II नियुक्त करते हैं।

दिनांक 24 नवम्बर 1976

सं० 5/1/76-स्था०-II/3610—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के नियंत्रक एक स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक और स्थानापन्न सहायक श्री गिरधरलाल श्रीवास्तव को श्री ए० एन० कट्टी, सहायक कार्मिक अधिकारी, जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई थी, के स्थान पर 14-9-1976 से 14-10-1976 तक के लिये इसी अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्न सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० 5/1/76/स्था०-II/3611—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के नियंत्रक प्रीफरी परियोजना तारापुर के सहायक सुरक्षा अधिकारी श्री बासवंतय्या शिर्वालिंग्या हुलीजरिमथ को सुरक्षा अधिकारी श्री ए० एम० थोमस, जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई थी, के स्थान पर 21-6-1976 से 30-8-1976 तक के लिये इसी अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्न सुरक्षा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

आर० बी० बाजपेयी,
उप स्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग

क्रय एवं भंडार निदेशालय

मुम्बई-400001, दिनांक 17 फरवरी 1977

सं० डी० पी० एम०/ए/32011/2/75-स्थापना-2546—परमाणु ऊर्जा विभाग के क्रय एवं भंडार निदेशक, इस निदेशालय में अस्थायी सहायक लेखा अधिकारी श्री विनायक कृष्ण पोद्दार को, श्री एम० एच० तरवाती, लेखा अधिकारी-II, जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई थी, के स्थान पर 11 मई, 1976 से 11 जून, 1976 तक के लिए उसी निदेशालय में लेखा अधिकारी-II के पद पर 840-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

बी० जी० कुलकर्णी,
मुख्य प्रशासन अधिकारी

नरोरा परमाणु विद्युत् परियोजना

नरोरा, दिनांक 19 फरवरी 1977

सं० एन० ए० पी० पी०/प्रशा० 4(40)-76-एस/1714—स्थानापन्न सुरक्षा अधिकारी श्री विजय पाल सिंह की सुरक्षा अधिकारी के पद पर अवकाश रिक्ति में अस्थायी रूप से की गई नियुक्ति के संदर्भ में इस परियोजना की दिनांक 6 दिसम्बर 1976 की समसंख्यक अधिसूचना के क्रम में विद्युत् परियोजना इंजीनियरी प्रभाग के निदेशक, श्री बी० पी० सिंह को इसी प्रभाग में 11 दिसम्बर 1976 के पूर्वाह्न से 28 फरवरी, 1977 तक नरोरा परमाणु विद्युत् परियोजना के सुरक्षा अधिकारी श्री पी० एम० घेवरगीज के अवकाश पर जाने से हुई रिक्ति में सुरक्षा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

जी० जी० कुलकर्णी,
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

मद्रास परमाणु विद्युत् परियोजना

कलकत्ता-603 102, दिनांक 18 फरवरी 1977

सं० 18(63)/76-भर्ती—विद्युत् परियोजना इंजीनियरी प्रभाग के निदेशक, अस्थायी पर्यवेक्षक (विद्युत्) सर्वश्री एन० कृष्णामूर्ति तथा बी० आर० कुबेन्द्रन को 1 फरवरी, 1977 के

पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए इस परियोजना में अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड 'एस० बी०' नियुक्त करते हैं।

दिनांक 19 फरवरी 1977

सं० 18(63)/76-भर्ती—विद्युत् परियोजना इंजीनियरी प्रभाग के निदेशक, अस्थायी वैज्ञानिक सहायक 'सी' श्री सी० जे० जोसफ को 1 फरवरी, 1977 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक इस परियोजना में अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर-ग्रेड एस० बी० नियुक्त करते हैं।

के० बालाकृष्णन्,
प्रशासन अधिकारी

विद्युत् परियोजना इंजीनियरी प्रभाग

मुम्बई-5, दिनांक 19 फरवरी 1977

सं० पी० पी० ई० डी०/3(282)/76-प्रशा०/2065—विद्युत् परियोजना इंजीनियरी प्रभाग, बम्बई के निदेशक, केन्द्रीय रेलवे, बम्बई के वित्त सलाहकार तथा मुख्य लेखा अधिकारी के कार्यालय के अनुभाग अधिकारी श्री बी० आर० कुलकर्णी को इस प्रभाग में प्रतिनियुक्ति की शर्तों पर 3 फरवरी, 1977 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक रूप 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 के वेतनमान में सहायक लेखा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

बी० बी० थाटे,
प्रशासन अधिकारी

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 1 फरवरी 1977

सं० ई० (1) 03985—वेधशालाओं के महानिदेशक, के मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली भारत मौसम विज्ञान विभाग, में स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी श्री एम० सी० मेनन निवर्तन की आयु पर पहुचने पर 31 दिसम्बर, 1976 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

एम० आर० एन० मणियन्,
मौसम विज्ञानी,
रुते वेधशालाओं के महानिदेशक

विदेश संचार सेवा

बम्बई, दिनांक 1 मार्च 1977

सं० 1/3/5/77-स्था०—बम्बई शाखा के तकनीकी सहायक श्री एम० बी० राव को 17 फरवरी 1977 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक उसी शाखा में स्थानापन्न रूप से सहायक अभियंता नियुक्त किया जाता है।

पु० ग० दामले,
महानिदेशक

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली, दिनांक 5 फरवरी 1977

सं० क-19012/390/73-प्रशा०-5-नर्मदा जल विवाद अधिकांश, नई दिल्ली में प्रतिनियुक्ति पर चले जाने के परिणामस्वरूप, श्री बी० पी० शिव ने अतिरिक्त सहायक निदेशक, केन्द्रीय जल आयोग के पद का कार्यभार अपराह्न 31-12-76 में त्याग दिया है।

दिनांक 13 फरवरी 1977

सं० क-12017/3/76-प्रशा०-5-अधिसूचना सं० क-12017/3/76-प्रशा० 5 दिनांक 24 अगस्त, 1976 के अनुवर्ती क्रम में अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग एतद्वारा चौ० भुजंगराव को केन्द्रीय जल एवं विद्युत् अनुसंधानशाला, पुणे में सहायक अनुसंधान अधिकारी (अभियांत्रिकी) के पद पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपए के वेतनमान में आगामी दो महीने अर्थात् 28-2-1977 तक अथवा जब तक कि यह पद नियमित रूप से भरा जाए—इन दोनों में से जो भी पहले हो, के लिए पूर्णतः अस्थायी एवं तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० क-12017/4/76-प्रशा०-5-इस आयोग की अधिसूचना सं० 12017/4/76-प्रशा०-5, दिनांक 9 दिसम्बर, 1976 के अनुवर्ती क्रम में अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग एतद्वारा श्री टी० पी० येगनान को स्थानापन्न रूप से सहायक अनुसंधान अधिकारी (वैज्ञानिक-गणित समूह) के ग्रेड में 650-30-740-35-810-द० रो०-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपए के वेतनमान में केन्द्रीय जल तथा विद्युत् अनुसंधानशाला, पुणे में पूर्णतः अस्थायी एवं तदर्थ रूप में 5 जनवरी, 1977 तक के लिए नियुक्त करते हैं।

दिनांक 4 मार्च 1977

सं० क-19012/226/70-प्रशा०-5-दिनांक 30-9-1976 को सेवानिवृत्ति की वय प्राप्ति के परिणामस्वरूप श्री जी० भंजादेव ने पूर्वी गेजिंग उपखण्ड, रायपुर जो केन्द्रीय निस्सरण वृत्त हैदराबाद के अधीन सहायक अभियंता के कार्यालय का कार्यभार दिनांक 2-6-1976 के अपराह्न से त्याग दिया है एवं दिनांक 3-6-1976 से 30-9-1976 तक पूर्वनिवृत्ति अवकाश पर प्रस्थान कर गए हैं जिसकी स्वीकृति अधीक्षक अभियंता, केन्द्रीय निस्सरण वृत्त हैदराबाद के कार्यालय आदेश सं० सी० डी० सी०/ए०-19012/10/2-प्रशा०/2607-14 दिनांक 19-5-76 द्वारा मिली है।

दिनांक 5 मार्च 1977

सं० क-19012/425/73-प्रशा०-5-एफ० आर० 56 (के०) में निहित निदेशानुसार, अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग एतद्वारा श्री एल० बी० ओडे, स्थाई अनुसंधान सहायक जो केन्द्रीय जल और विद्युत् अनुसंधानशाला, पुणे में सहायक अनुसंधान अधिकारी (अभियांत्रिकी) के पद पर स्थानापन्न थे, को 26 जून, 1974 के पूर्वाह्न से स्वेच्छया रिटायर होने की स्वीकृति प्रदान करते हैं।

सं० क-19012/588/76-प्रशा०-5-अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग अपने प्रसाद से श्री बी० सतीराज, पर्यवेक्षक को केन्द्रीय जल आयोग में सहायक अभियंता के पद पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपए के वेतनमान में पूर्णतः अस्थायी एवं तदर्थ रूप में नियुक्त करने हैं जो 17-12-76 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश होने तक प्रभावी होगा।

श्री सतीराज ने उपयुक्त दिनांक तथा समय से सहायक अभियंता, सूखा क्षेत्र अध्ययन उपमण्डल, जयपुर के कार्यालय का कार्यभार ग्रहण कर लिया है जो कि सूखा क्षेत्र अध्ययन वृत्त, नई दिल्ली के अधीन है।

सं० क-19012/593/76-प्रशा०-5-अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग अपने प्रसाद से श्री के० साधीसन, पर्यवेक्षक, को केन्द्रीय जल आयोग में सहायक अभियंता के पद पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपए के वेतनमान में पूर्णतः अस्थायी एवं तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं जो 23-8-76 (पूर्वाह्न) से आगामी आदेश होने तक प्रभावी होगा।

श्री के० साधीसन ने उपर्युक्त तिथि तथा समय से सहायक अभियंता, जबलपुर गेजिंग उपमण्डल जबलपुर के कार्यालय का कार्यभार ग्रहण कर लिया है जो अन्वेषण वृत्त संख्या 1 फरीदाबाद के अधीन है।

जसवंत सिंह,

अवर सचिव,

कृते अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग

प्रमुख इंजीनियर कार्यालय

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

नई दिल्ली, दिनांक नवम्बर 1976

सं० 27-ई/एस० (II)/71-ई० सी०-II-राष्ट्रपति, प्रमुख इंजीनियर कार्यालय, के० लो० नि० विभाग, नई दिल्ली के कार्यपालक इंजीनियर श्री एस० एल० सेरु द्वारा सेवा से दिए गए त्यागपत्र को तत्काल ही स्वीकार करते हैं।

पी० एस० परवानी,

प्रशासन उप निदेशक,

कृते प्रमुख इंजीनियर

पूर्वोत्तर सीमा रेलवे

पाण्डू, दिनांक 28 फरवरी 1977

सं० ई०/55/III/96 भाग II(ओ०)--श्री मुखवीर सिंह को, जिन्हें विद्युत् इंजीनियरी विभाग में परिवीक्षाधीन (प्रोवेशनर) रूप में नियुक्त किया गया था, दिनांक 18-11-75 से अवर वेतनमान में सहायक विद्युत् इंजीनियर के पद पर स्थायी किया जाता है।

जी० एच० केसवानी,

महाप्रबन्धक

पूर्ति और पुनर्वसि मंत्रालय

(पूर्ति विभाग)

राष्ट्रीय परीक्षण गृह

कलकत्ता-27, दिनांक 2 मार्च 1977

सं० जी०-65/बी० (कान०)—निदेशक राष्ट्रीय परीक्षण गृह, अलीपुर, कलकत्ता, संघ लोक सेवा आयोग की भिकारिण पर श्री पूर्णचन्द्र प्रधान को 15 दिसम्बर, 1976 में प्रागामी देश तक राष्ट्रीय परीक्षण गृह कलकत्ता में वैज्ञानिक अधिकारी (विद्युत्) के रूप में नियुक्त करते हैं।

ए० के० मजूमदार,

उप निदेशक (प्रशासन)

उप निदेशक राष्ट्रीय परीक्षण गृह

(पुनर्वसि विभाग)

मुख्य यांत्रिक अभियंता का कार्यालय

पुनर्वसि भूमि उद्धार संगठन

जयपुर-764 003, दिनांक 1 मार्च 1977

सं० पी० 3/1-6989-पी—इस कार्यालय की अधिसूचना सं० पी० 3/1 दिनांक 14-10-76 के क्रम में श्री ए० गोपाल राव का सहायक अभियंता (वर्ग बी०) के पद पर 650-30-740-35-810-६० रो०-35-880-40-1000-६० रो०-40-1200 रूप के वेतनमान में पुनर्वसि भूमि उद्धार संगठन के ड्रिलिंग सब-डिवीजन जी० उदयगिरि, जिला-फूलबानी (उड़ीसा) में तदर्थ रूप में हुई नियुक्ति को 1-3-77 के पूर्वार्द्ध से 6 महीने की और अवधि के लिए, या नियमित आधार पर पद के भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, पुनः बढ़ाया जाता है।

एम० पट्टनायक,

ले० कर्नल (रिटायर्ड)

मुख्य यांत्रिक अभियंता

विधि, न्याय एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी विधि बोर्ड

कार्यालय कम्पनी रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम, 1956 और दी जयहिन्द पब्लिशिंग कम्पनी लिमिटेड के विषय में।

ग्वालियर, दिनांक 1 मार्च 1977

सं० 286/7205—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती

है कि दी जयहिन्द पब्लिशिंग कम्पनी लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

जसराम बोहरा,

कम्पनी रजिस्ट्रार, मध्य प्रदेश

कम्पनी अधिनियम 1956 और मैसर्स बख्शी क्लब लिमिटेड

1824 सोनी भवन सीथलीवालों का रास्ता चौड़ा रास्ता

जयपुर के विषय में

जयपुर, दिनांक 28 फरवरी 1977

सं० सांख्यिकी/1420—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि मैसर्स बख्शी क्लब लिमिटेड का नाम आज रजिस्ट्रार से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

राम दयाल कुरील,

कम्पनियों का रजिस्ट्रार

राजस्थान, जयपुर

कम्पनी अधिनियम 1956 और अभ्रित बैंक लिमिटेड

के विषय में

जालन्धर, दिनांक 4 मार्च 1977

सं० जी०/स्टेट०/2103—कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवमान पर अभ्रित बैंक लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

सत्य प्रकाश तायल,

कम्पनियों का रजिस्ट्रार

पंजाब, हिमाचल प्रदेश एवं चण्डीगढ़

कार्यालय आयकर आयुक्त

नई दिल्ली, दिनांक 1 मार्च 1977

आयकर

सं० जुरि-दिल्ली/2/76-77/17438—आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43वा) की धारा 124 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों तथा इस संबंध में प्राप्त अन्य सभी शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयकर आयुक्त दिल्ली-2 नई दिल्ली निदेश देते हैं कि 1-3-1977 से निम्नलिखित डिस्ट्रिक्ट/सर्किलों को समाप्त कर दिया जाएगा :—

1. स्पेशल सर्किल-1 नई दिल्ली।
2. स्पेशल सर्किल-1 (अतिरिक्त) नई दिल्ली।
3. स्पेशल सर्किल-2 नई दिल्ली।
4. स्पेशल सर्किल-2 (अतिरिक्त) नई दिल्ली।

जगदीश चन्द,

आयकर आयुक्त दिल्ली-2/नई दिल्ली

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री अहमद जमाल, सुपुत्र श्री मोहम्मद मोहसिन
निवासी 523, चुड़ीवाला, दिल्ली।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज-II, दिल्ली -1

4/14क, ग्रामफोनली रोड, नई दिल्ली।

नई दिल्ली, दिनांक मार्च, 1977

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/1240/76-77—

अतः मुझे, एम० एस० गोयला

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० 69/6ए है तथा जो नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर 1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उससे दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये सयपाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. श्री राम सरत कयूरिया, सुपुत्र श्री हरी चन्द कयूरिया
निवासी एल० 105, कीर्ती नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पारा लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 280 वर्ग गज है और सं० 69/6ए है, नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली, जिसके साथ में बिल्डिंग बनी हुई है। यह प्लॉट निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : अन्य की जायदाद
पश्चिम : हिन्दू रबड़ वर्क्स की जायदाद
उत्तर : 30 फुट चौड़ी सड़क
दक्षिण : अन्य की जायदाद।

एम० एस० गोयला

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: मार्च, 1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली-1

4/14क, ग्रामफोनली रोड, नई दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक मार्च, 1977

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/1241/76-77—

अतः मुझे, एम० एम० गोयला

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 69/6ए० है तथा जो नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख मितम्बर, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
के अन्तर्गत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से बध्ति नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय का बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
पर्योजनार्थ अन्तर्गति द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2—516GI/76

1. श्री नाविस जमाल, सुपुत्र श्री मोहम्मद मोहम्मिन,
निवासी 523, चूड़ीवाला, दिल्ली-1।

(अन्तरक)

2. श्री राम सरन कयूरिया, सुपुत्र श्री हरी चन्द कयूरिया
निवासी एल०-105, कीर्ती नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 2C-क में यथा-परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 280 वर्ग गज है और सं० 69/6ए
है, नजफगढ़ रोड, नई दिल्ली, जिसके साथ में बिल्डिंग बनी हुई
है। यह प्लॉट निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : मै० हिन्द रबड़ वर्क्स की जायदाद

पश्चिम : अन्य की जायदाद

उत्तर : 30 फुट चौड़ी सड़क

दक्षिण : अन्य की जायदाद

एम० एस० गोयला

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : मार्च, 1977।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, दिल्ली-1

4/14क, ग्रामफोनली रोड, नई दिल्ली।

नई दिल्ली, दिनांक मार्च, 1977

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु०/II/1242/76-77---

अतः मुझे, एम० एस० गोयला

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 28/54 है तथा जो वैस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
नवम्बर, 1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. श्री दर्शन लाल, सुपुत्र श्री हवेली राम,
निवासी 28/54, वैस्ट पटेल नगर,
नई दिल्ली इनके मुख्य अटारनी
श्री नानक चन्द के द्वारा,
सुपुत्र श्री मधुरा दाम, निवासी वैस्ट पटेल नगर,
नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्रीमती कृष्णा बन्ती, पत्नी श्री दर्शन लाल,
निवासी 28/54, वैस्ट पटेल नगर,
नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

मकानारी बना मकान जिसका नं० 54, ब्लॉक नं० 28 है,
100 वर्ग गज क्षेत्रफल के प्लॉट पर बना हुआ है, वैस्ट पटेल नगर,
नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:--

पूर्व : मकान नं० 28/53;

पश्चिम : मकान नं० 28/52

उत्तर : रोड़

दक्षिण : लेन

एम० एस० गोयला
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : मार्च, 1977।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, दिल्ली-1

4/14क, आसफअली रोड, नई दिल्ली।

नई दिल्ली, दिनांक मार्च, 1977

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एफ्यु०/II/1243/76-77—

अतः मझे, एम० एम० गोयला

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि रथावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० एफ-14 है तथा जो बाली नगर, नई दिल्ली में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
नवम्बर, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
पनिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप के व्यक्ति नहीं दिया गया है —

(क) अन्तरण में हुई निम्न आय की वास्तव उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
कारित्व से कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, ठिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री तीर्थ राज, सुपुत्र श्री चन्द्रिका राव (राय) तथा
श्री दसरथ राय, समुपुत्र श्री विश्वा नाथ राय,
निवासी सी-2, बाली नगर, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री माहेन कुमार, सुपुत्र श्री शंकर दास
निवासी एम-40, कीर्ति नगर,
नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिनों के भीतर उक्त रथावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
यास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभा-
षित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक कीहोल्ड प्लॉट जिसका क्षेत्रफल 200 वर्ग गज है और
नं० 14, ब्लाक नं० एफ है, बाली नगर बालौनी, नई दिल्ली में
है। यह प्लॉट निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : प्लॉट नं० एफ०-13
पश्चिम : प्लॉट नं० एफ-15
उत्तर : सर्विस लेन
दक्षिण : रोड

एम० एस० गोयला
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली नई दिल्ली-1

तारीख : मार्च 1977।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अभिग्रहण रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 मार्च 1977

निदेश सं० अभिग्रहण/326-ए०/छाता/76-77—अतः, महें
एल० एन० गुप्ता,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
एए से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार
स्थित है (और इस से उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय छाता में, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 19
जून, 1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री चेत राम पुत्र श्री प्यारे लाल
निवासी कलाँ तह० छाता
जिला मथुरा ।

(अन्तरक)

2. श्री बलवन्त सिंह पुत्र नबल सिंह
निवासी क्वाटर 290,

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति कृषि भूमि रकबा 7.96 एकड़ वाले बैथन
कलाँ, तहसील छाता जिला मथुरा 44,000 रुपये मूल्य में
हस्तुपन्तरित की गई है ।

एल० एन० गुप्ता,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 4 मार्च, 1977

[मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अभियग्रहण रेंज कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 मार्च 1977

निदेश सं० अभियग्रहण/393-ए०/ईगलाम/76-77/529--

अतः मुझे एल० एन० गुप्ता,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269घ
के अधीन राक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है और

जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची अनुसार में स्थित
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजि-
स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय ईगलाम में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 2 अगस्त, 1976
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
का, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
पयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269घ के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः--

1. श्री वदन सिंह पुत्र श्री राम चन्द्र
नि० अजाहरी परगना हसनगढ़ डा० गोंडा,
तह० ईगलाम जि० अलीगढ़। (अन्तरक)
2. (1) श्री जगदीश (2) लक्ष्मण प्रसाद
पुत्रगण श्री शिवचरण लाल (3)
श्री राम जस पुत्र निहाल सिंह
व श्रीमती गन्ना देवी पत्नी राम जस
निवासीगण अजाहरी परगना
हसनगढ़ तह० ईगलाम जिला अलीगढ़। (अन्तरिती)

की यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति कृषि भूमि रकबा 30-15-00 बिस्वन्सी
वार्क ग्राम अजाहरी पर० हसनगढ़ तह० ईगलाम जि० अलीगढ़
1,08,900/- रुपये मूल्य में हस्तान्तरित की गई है।

एल० एन० गुप्ता
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 4-3-1977
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अभिग्रहण रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 5 मार्च 1977

निदेश सं० अभिग्रहण/339/बागपत/76-77/547—अतः

मुझे, एल० एन० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बागपत में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 22 जून, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती अनीम फात्मा पत्नी कंवर कोकब हमीद खां निवासी खुरशीद मंजिल, मन्डी बागपत, जिला मेरठ।

(अन्तरक)

2. श्री खलील अहमद (बालिग)

2. जमील अहमद भाई

निवासी ग्राम निबादा, परगना कोलाना, जिला मेरठ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोह्यताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति एक किता प्लॉट रकबा 714.26 वर्ग गज (आधा भाग) बाकै महदुदा जैल मौजा मंडी बागपत, जिला मेरठ 21,500/- रुपये मूल्य में हस्तान्तरित की गई है।

एल० एन० गुप्ता
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख: 5 मार्च, 1977।

मोहर :

ग्राह्य आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अभिग्रहण रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 5 मार्च, 1977

निर्देशनं० अभिग्रहण/340/बागपत/66-77/548—अन० मु०
एल० एन० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह दिवासा
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी स० अनुसूची के अनुसार तथा जो अनुसूची के अनु-
सार में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बागपत में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1909 का 16) के अधीन
तारीख 22 जून, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में बर्ती करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती अनीस फात्मा पत्नी कुंवर कोकब हमीद खां
निवासी खुरशीद मंजिल,
मन्डी बागपत, जिला मेरठ।

(अन्तरक)

2. श्री ओम सिंह पुत्र शिवराम
निवास मन्डी बागपत, जिला मेरठ।

(अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के
भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति
द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ता-
अरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति एक किता प्लाट रकबा 714.26 वर्ग
गज (आधा भाग) बाकै महदुदा जैल मौजा मन्डी बागपत, जिला
मेरठ, 21.500/- रुपये मूल्य में हस्तान्तरित की गई है।

एल० एन० गुप्ता,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 5 मार्च, 1977

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन श्रेष्ठ, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 1 मार्च 1977

निर्देश सं० 23-एन०/अर्जन:—अतः मूझे, अमर सिंह बिसेन, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है,

और जिसकी सं० मकान नं० 203 है तथा जो मो० नबीउल्लाह रोड़ लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 17-7-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व, में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री सुगरा खातून । (अन्तरक)

2. श्री मोहम्मद नसीर । (अन्तरिती)

3. बिक्रेता ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक मकान नम्बर 203 जो मोहल्ला आर्य नगर, लखनऊ में स्थित है ।

अमर सिंह बिसेन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रंज, लखनऊ

तारीख : 1-3-77
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 1 मार्च 1977

निर्देश नं० 91-एम०/अर्जन:—अतः मुझे, अमर सिंह बिसेन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० मकान नं० 286/71 है तथा जो मो० नियाज खेड़ा ऐशबाग लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-7-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहता था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

3—516G1/76

1. श्रीमती रेहाना खातून, इफत जहाँ, इरमान उमर, मलामुस्लिमा मुजीदा खातून मजान उमर ।

(अन्तरक)

2. श्री मकबूल अहमद, नफी मुल हसन, शमुस्लिमा मुशीर आलम शबीरा खातून ।

(अन्तरिती)

3. बिक्रेता ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक मकान नं० 286/71 नाप 9662 वर्ग फिट जो मो० नियाज खेड़ा ऐशबाग, लखनऊ में स्थित है ।

अमर सिंह बिसेन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

तारीख : 1-3-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

दिनांक 1 मार्च 1977

निर्देश सं० 114-आर/अर्जन—अतः मुझे, अमर सिंह बिसेन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० बी०-12 "एच" है तथा जो महानगर एक्सटेंशन स्कीम, लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 21-8-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती गुरवीर कौर बिन्ना ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती राज रानी सरता ।

(अन्तरिती)

3. बिकेता ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक प्लॉट नं० बी०-12 "एच" जो महानगर एक्सटेंशन स्कीम लखनऊ में स्थित है ।

अमर सिंह बिसेन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन क्षेत्र, लखनऊ

तारीख : 1-3-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन, क्षेत्र लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 1 मार्च 1977

निदेश सं० 145-एस०/अर्जन—अतः मुझे, अमर सिंह बिसेन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उक्त बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और जिसकी सं० एक मकान है तथा जो मो० मोहतसिन खान, जिला पीलीभीत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय पीलीभीत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22-7-1976 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की दावत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री कुंवर महेश चन्द्र, कुंवर राधव चन्द्र ।

(अन्तरक)

2. श्री शान्ति शरण, हरी शरण, नन्द किशोर ।

(अन्तरिती)

3. कुंवर महेश चन्द्र ।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

एक मकान जो मोहल्ला मोहतसिन खान जिला पीलीभीत में स्थित है ।

अमर सिंह बिसेन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख 1-3-1977

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्रीमती सुरजीत कौर ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 10 मार्च 1977

निदेश नं० 116-आर०/अर्जन:—अतः मुझे, अमर सिंह
विसेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 554-के०/2-डी० है तथा जो मो०
अर्जन नगर, लखनऊ में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 15-7-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
क अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-
नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिओं, अर्थात् :—

2. श्रीमती राजकुमारी ।

(अन्तरिती)

3. बिक्रेता ।

(यह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है) ।

4. कोई नहीं ।

(यह व्यक्ति, जिसके बारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है ।

अनुसूची

एक मकान नं० 554-के०/43 ताप 56' x 30' जो मो०
अर्जन नगर, लखनऊ में स्थित है ।

अमर सिंह विसेन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 10 मार्च, 1977.
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 मार्च 1977

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल 76-77/807:—
अतः, मुझे, वी० के० सिन्हा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के
अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है
और जिसकी सं० प्लॉट है, जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपा-
बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 29-7-76
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में;
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हस्तीमल जैन, निवासी 17, एम० जी० रोड,
इन्दौर।

2. श्री अरौर वर्णा समाज कार्यालय स्थित सवेरा लाज,
छोटी खाल तोली, इन्दौर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

भूमि का प्लॉट 17, एम० जी० रोड, इन्दौर का भाग स्थित
नाथ मन्दिर रोड़, साउथ तु कोगंज, इन्दौर।

वी० के० सिन्हा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 7-3-1977
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. मैसर्स बी० के० इन्डस्ट्रीज, 1/8, महारानी रोड, इन्दौर ।
(अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना2. मैसर्स गोयनका आफसेट प्रिंटिंग प्रेस, 25-ए, इन्डस्ट्रियल
स्टेट, लक्ष्मी बाई नगर, इन्दौर ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 मार्च 1975

निदेश सं० आई० ए० सी० ए० ए०/भोपाल/76-77/808:—
अतः, मुझे, बी० के० सिन्हा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० बिल्डिंग है, जो इन्दौर में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908,
(1908 का 16) के अधीन 21-7-76
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, गणित :—

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति मैसर्स गोयनका आफसेट प्रिंटिंग प्रा० लि० स्थित
25-ए०, इन्डस्ट्रियल एरिया, लक्ष्मीबाई नगर, इन्दौर ।

बी० के० सिन्हा,
सक्षम प्राधिकारी
'सहायक' आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 7-3-77

मोहर :||

प्ररूप आर्द्ध० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 मार्च 1977

निर्देश सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल 76-77/809:—

अतः मुझे, वी० के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० बिल्डिंग है, जो इन्दौर में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 20-7-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम'
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री ए० आर० जेकब पुत्र श्री जे० आर० शालोम निवासी
117, रवीन्द्र नगर, इन्दौर। (अन्तरक)

2. (i) श्री हरभजन सिंह पुत्र श्री बजीर सिंह सेठी,
(ii) श्रीमती संतोष कौर पति श्री बजीर सिंह सेठी, दोनों
निवासी 61/5, मनोरमा गंज, इन्दौर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति स्थित मकान नं० 117, रवीन्द्र नगर, इन्दौर।

वी० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल।

तारीख : 7-3-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 मार्च 1977

निदेश सं० आई० ए०सी०ए०वी०/भोपाल, 76-77/810:—
अतः, मुझे, बी० के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० मकान है, जो इन्दौर में स्थित है (और इसमें
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 1-7-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री हैदर हुसैन पुत्र श्री अब्दुल हुसैन निवासी गली नं० 1,
मकान नं० 3, मियागंज, इन्दौर। (अन्तरक)

2. श्री भीमनदाग पुत्र श्री नेवन्द राम जी निवासी 17,
जवाहर मार्ग, इन्दौर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 8, महारानीरोड, इन्दौर।

बी० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 7-3-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 7 मार्च 1977

निदेश सं० आई० ए० सी० एक्वी०/भोपाल/-76-77/

811:—अतः, मुझे, वी० के० सिन्हा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है, जो रायपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायपुर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 3-7-76

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—
4—516GI/76

1. (i) श्री भगवानदास पुत्र श्री गुरुदास मल (ii) श्री बाल किशन सिधी पुत्र श्री नेमामल निवासी जवाहर नगर वार्ड, रायपुर । (अन्तरक)

2. (i) श्री कन्हैयालाल, (ii) श्री लक्ष्मण दास, (iii) श्री जयराम दास, (iv) श्री नन्दलाल छोगानी सभी निवासी हांडीपारा, रामपुर । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

26. 13 एकड़ भूमि स्थित सरोना, सर्किल रायपुर, तह० ब जिला रायपुर।

वी० के० सिन्हा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 7-3-77
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायुक्त आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 5

श्रीमती के० जी० पी० आयुर्वेदिक बिल्डिंग,

5वां माला, नेताजी सुभाष रोड,

बम्बई-4000002

बम्बई, दिनांक 9 मार्च 1977

सं० आई-5/702/5/76-77—अन: मुझे, श्री आर० जी०, नेरकर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लॉट नं० 569 बी० आफ़ सर्वेयन स्कीम 3, है तथा जो चेम्बूर में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 17 जुलाई, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री/श्रीमती/कुमारी विमला मानीकलाल दमानिया, बिल्सन कॉलेज के पीछे, 37, चौपाटी रोड बम्बई-400007 (अन्तरक)

2. श्री/श्रीमती/कुमारी गुल्फलिंस को० आप० हाउ० सो० लि०, गुलाब बाग, वाघवली रोड, चेम्बूर बम्बई-71 । (अन्तरिती)

गुल्फ लिक्स को० आप० हाउ० सो० लि०
चेम्बूर, बम्बई-71.

क्र०
सं०
किरायेदारों की सूची

1. श्री टी० एन० सुब्रामण्यम और श्रीमती गंगाबाई सुब्रामण्यम (पत्नी)
2. श्री एम० गुरुस्वामी (ओरिजिनल फस्ट मेंबर श्रीमती वही० आर० इंदिरा गोपालन
3. श्रीमती हंटरमती वी० हेगडे
4. श्रीमती मंगलोरी मुणिलाबाई
5. श्रीमती निर्मला एम० संधर्मा
6. श्रीमती उषा मनोहर बापट
7. श्रीमती जयम नारायण
8. श्रीमती मीना अरविंद वाघ
9. श्री अंकुर एन० मुने
10. डा० पी० यशवनाथ शेठ्ठी
11. श्रीमती मोहिनंदर एन० बनर्जी
12. श्रीमती कृ० भरजी
13. डा० (श्रीमती) उषा ए० देसाई
14. श्रीमती फेलिसिटी डिक्कोस्टा
15. श्री अनतोनी एम० डेनिस
16. डा० किशोर एन० मेहता और श्रीमती तर्ला के० मेहता
17. श्रीमती गोपा विपिन शुक्ला
18. श्री राजपाल पुरी ।

(वह व्यक्ति, जिस के अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहरताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

जमीन या मैदान का वह तमाम खाली टुकड़ा जो माप में 5314 वर्ग गज या उसके आसपास अथवा 4443.19 वर्ग मी० या उसके लगभग है और पहले का प्लॉट नं० 569 एवं चेम्बूर की उपनगर स्कीम नं० 3, का प्लॉट नं० 569-बी है तथा बंबई नगर व उपनगर रजिस्ट्री व उप जिले में है जो अब बंबई महानगर है तथा इस प्रकार सीमाबद्ध है कि उत्तर की ओर प्लॉट नं० 569 बंबई उपनगर स्कीम नं० 3, चेम्बूर वाली जमीन का हिस्सा है, दक्षिण की ओर प्लॉट नं० 565, उपनगर, स्कीम नं० 3, चेम्बूर, पूर्व की ओर सार्वजनिक सड़क, जो सेंट्रल-1 एवेन्यू कहलाती है, पश्चिम की ओर एम० बी० लुकमानी की संपत्ति है।

आर० जी० नेरकर,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन इलाका 5, बंबई

तारीख : 9 मार्च, 1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 7 मार्च, 1977

सं० आर० ए० सी० 229/76-77—यतः मुझे के० एस० वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 460 में, जो तिरुपति टाऊन में स्थित है (और इससे उपाबध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तिरुपति में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15 जुलाई, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट न हीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधाया (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

(1) श्रीमती अरचनम—पदमावतम्मा पत्नी-स्वर्गीय रा० सेणाचालम दिक्षितुलु नं० 130-ए श्रीरामुलु-गली-तिरुपति।

(अन्तरक)

(1) के-रघुगम—(2)के० बालाकृष्णा (3) के० भगवंता (4) के० रामचन्द्रा (5) के चन्द्रासेखर—घर नं० 338 कोता गली तिरुपति, चित्तूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में यदि कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन सर्वे नं० 460 तिरुपति टाऊन में है कपीलातीरतम रोड के पाम 81 1/2 सेन्ट्स है रजिस्ट्री की गयी है दस्तावेज नं० 1735/76 सब-रजिस्ट्रार के कार्यालय तिरुपति में जो इस प्रकार घिरा है—

पूर्व में—रोड कपीलातीरतम को जाता है

दक्षिण में—घर नं० 15-1-499 तथा 485 के० सुब्रह्मन्या शास्त्री—और दूसरे लोग

उत्तर में—जमीन ए० श्रीनिवाम नरसिम्हा दीक्षितुलु का पश्चिम—खुली जमीन राम कृष्णय्या की।

के० एस० वेंकट रामन,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

सक्षम प्राधिकारी

अर्जन रेंज : हैदराबाद

तारीख : 7 मार्च, 1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ(1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
हैदराबाद, दिनांक 7 मार्च, 1977

सं० आर० ए० सी० 230/76-77—यतः मुझे के० एस०
वेंकटरामन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 7/1/741 और 7-1-757 है, जो मरकीट
स्ट्रीट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सिकन्दराबाद
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 31 जुलाई, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसके बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:

1. सर्वश्री (1) प्रह्लाद चन्दा (2) पेनटय्या चन्दा दोनों
घर नं० 4-4-144 सहनकाली गली सिकन्दराबाद में रहते हैं
(3) वासुदेव चन्दा पिता पेनटय्या चन्दा "मैहल" मासटर सोसाइटी
राज कोट-2 गुजरात में रहते हैं (4) दुशयंत चन्दा पिता पेनटय्या
चन्दा—ज्योति निवास ललीता नगर विशाखापटनम में रहते हैं जी०
पी० ए० पेनटय्या चन्दा—नं० 2¹। (अन्तरक)

2. मासटर जगदीश पिता उदवदास माईनर जी० पी० ए०
उदवदास घर नं० 2-3-93 रामगोपाल पेट-सिकन्दराबाद ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्यावर सम्पत्ति में हितवद्
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20 क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय
में दिया गया है ।

अनुसूची

दो सता का घर नं० 7-1-741 से 757 (पुराना नं०
3925) मारकीट गली (सुभाष रोड) सिकन्दराबाद में पाया गया है
दसतावेज नं० 861/76 रजिस्ट्री की गयी है उप-रजिस्ट्री कार्यालय
सिकन्दराबाद में ।

के० एस० वेंकट रामन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज : हैदराबाद

दिनांक : 7 मार्च, 1977
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री एस० बालकृष्णन

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती सुमित्रा

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 मार्च, 1977

सं० 65/जुलाई/76-77यतः, मुझे, जी० रामानाथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी, को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है,

और जिसकी सं० टी० एस० 49/2, है, जो हस्तमपट्टी, सेलम
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सेलम (पत्र सं० 2118/
76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन जुलाई 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृक्षमान
प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिये कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सेलम हस्तमपट्टी गांव, बी० वार्ड, ब्लॉक 8, टी० एस० सं०
49/2 में 14000 स्क्वियर फीट की खाली भूमि।

जी० रामानाथन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1, मद्रास

तारीख : 4 मार्च, 1977

मोहर :

प्रसूत आर्द्ध टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, रजिस्ट्रार ऑफ़ इन्कम टैक्स (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 मार्च, 1977

सं० 67/जुलाई, 76 77—यतः मुझे जी० रामानाथन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इस में
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० टी० एन० सं० 34 है, जो कोमारसामिपट्टी गाँव
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सेलम (पत्र सं० 2035
/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 5 जुलाई, 1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमती तायम्माळ और पलनियम्माळ (अन्तरक)

(2) श्री अयी गाउन्डर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुराखी

सेलम कोमारसामिपट्टी टी० एन० सं० 34, ब्लॉक, 38बी०
वार्ड में एक एकड़ खेती की भूमि ।

जी० रामानाथन,
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 4 मार्च, 1977
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम० ---

1. श्रीमती तायम्मान और पलालनियम्म

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 वा 43) की धारा
269घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री रंगसामि गऊन्डर

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन-रेंज 1 मद्रास

मद्रास, दिनांक 4 मार्च 1977

निर्देश सं० 68/जुलाई/76-77—यन.; मुझे जी० रामनाथन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 वा 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि उक्त सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
में अधिक है

और जिसकी सं० टी० एम० सं० 34 और 35 है, जो कोमारसामि
पट्टी में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सेलम पत्र सं०
2036/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 5-7-1976 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है, कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन पर देने के अन्तरक के दायित्व में बर्ती
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिनमें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में सम्पत्ति होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सेलम, कोमारसामि पट्टी गांव टी० एम० सं० 34 और 35
में 51 सेन्ट की भूमि और आदी (ब्लॉक सं० 38, बी० वार्ड)।

जी० रामनाथन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 4-3-1977
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. अश्वम्मा जोसफ

(अन्तरक)

2. श्री चन्द्रा सिन्हा

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1 मद्रास

मद्रास, दिनांक 5 मार्च 1977

निर्देश सं० 30/जुलाई/76-77—यतः मुझे जी० रामनाथन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा
269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 2570 सी०, नागरकोईल है, जो नागरकोईल में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नागरकोईल (पत्र सं०
2304/76) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 1-7-1976 को
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
विविध अन्य व्यक्तियों द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

नागरकोईल, नागरकोईल-अचारीपल्लम रोड एस० सं०
2570 में 49 सेन्ट की खाली भूमि।

जी० रामनाथन,
सक्षम प्राधिकारी;
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-1, मद्रास

तारीख : 5-3-1977

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्रीमती इलमिधियम्मा,

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा
269घ(1) के अधीन सूचना

(2) () श्री जोज (वरविक कं० पुत्र), () श्रीमती
लीलाम्मा जोज ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, एरणाकुलम

काचिचन, दिनांक 2 मार्च 1977

निहण सं० एल० सी० 123/76-77:—यतः, मुझे, एस० एन०

चन्द्रचूटन नायर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो तिरुवल्ला में स्थित
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय, तिरुवल्ला में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 13-7-1976
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, यथा:—
5-516GI/76

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20 क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

1 acre 50 cents of land with buildings in Sy. No. 33/3A
in Thiruvalla Village.

एस० एन० चन्द्रचूटन नायर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख : 2-3-77
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रंज, एरणाकुलम

कोचीन-15, दिनांक 2 मार्च 1977

निदेश सं० एस० सी० 124/76-77:—यतः, मुझे, एस०
एन० चन्द्रचूटन नायर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है,

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो तोड़पुण विलेख
में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, तोड़पुण में भारतीय अधिकारी
के कार्यालय तोड़पुण में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 3-7-1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायस्थ में
गमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तव्यों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) (1) पालकुनजम्माल, (2) कुनपिअयिगुम्माल,
(3) रक्षियम्माल (4) रमला (मुहम्मद कं० द्वारा) (7)
मीरुकुट्टि उम्माल।

(अन्तरक)

(2) (1) हस्सन (2) कुन्जिनम्पि, (3) परीद, (4)
इब्राहीम, (5) असीस, (6) रक्षीद (असीस कं० द्वारा), (7)
सुलैमान, (8) जैनिउम्माल।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

60 cents 232 sq. links of land with buildings in Thodu-
puzha village Sy. No. 266/10/1, 4, 272/12, 266/10/3—107/
160 share.

8 cents of land in Alakode village Sy. No. 1010/1AB/56—
Vide Schedule to Document No. 1108 dt. 3-8-76.

एस० एन० चन्द्रचूटन नायर,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रंज, एरणाकुलम

तारीख : 2-3-1977
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अभिग्रहण रेंज, कानपुर

कानपुर. दिनांक 14 मार्च 1977

निदेश सं० 395/अभिग्रहण/हरिद्वार/76-77/583—यतः

मुझे एल० एन० गुप्ता

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
में अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के
अनुसार में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हरिद्वार
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 30 जून, 1976।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये, अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कार्य नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-
नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री ठाकुर मधु राम पुत्र ठाकुर आशाराम,
निवासी चान्दी रोड, मायापुर,
हरिद्वार। (अन्तरक)
2. श्री सन्यासी सदानन्द भाई,
प्रेसिडेंट महिला मिलन मंदिर,
अहमदाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति भूमि जिसका क्षेत्रफल 10,000 वर्ग फुट
खसरा नम्बर 616—मायापुर हरिद्वार में है; 95,000/- रुपए में
हस्तान्तरित की गई।

एल० एन० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक : 14-3-77

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, निरीक्षण सहायक आयकर आयुक्त

अभियग्रहण रेंज, कानपुर

कानपुर, तारीख 21 मार्च 1977

निदेश सं० अभियग्रहण/396/बुधाना/76-77—अतः मुझे

एल० एन० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार में स्थित है और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बुधाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 25-6-1976

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य

से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थित :—

1. श्री रेलूमल पुत्र कन्हैयालाल
निवासी—जोलापराग तथा तहसील
बुधाना—जिला मुजफ्फरनगर

(अन्तरक)

2. श्री स्वदेश कुमार जैन पुत्र भगवान दास
जैन निवासी—जोला पराग तहसील
बुधाना—मुजफ्फरनगर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तात्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि और भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यवस्थियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल संपत्ति (खेतिहर भूमि) 1/2 भाग जिसका नाम गोयल केन फ़ेशर है जो कि जोल्ला परगना बुधाना जिला मुजफ्फर नगर में स्थित है, जोकि 48000/- रु० में हस्तान्तरित की गई।

एल० एन० गुप्ता

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 21-3-77

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अभिग्रहण रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 21 मार्च 1977

निदेश सं० अभिग्रहण/456/फिरोजाबाद/76-77—अतः

मुझे, एल० एन० गुप्ता,
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के
अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय फिरोजाबाद
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख 21-6-1976

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या दिया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती राम बेती (विधवा) श्री जयपाल
सिंह, ग्राम गडौकलियान,
डाकखाना ओखरा तहसील फिरोजाबाद
जिला—आगरा

(अन्तरक)

2. श्री विपेन्द्रपाल सिंह पुत्र राम सिंह
(2) रवेन्द्रपाल सिंह पुत्र 3.
गवेन्द्रपाल सिंह पुत्र खुशीपाल सिंह
निवासी ग्राम गडौकलियान
डाकखाना ओखरा तहसील
फिरोजाबाद, जिला—आगरा

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के
भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति
द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति खेतिहर भूमि खाता नम्बर 5, जिसका
क्षेत्रफल 13 राखा, 32 बिघा, 10 बिस्वा है जो ग्राम गडौ,
कलियान ओखरा में स्थित है तहसील फिरोजाबाद, जिला—
आगरा में स्थित है 40,000/- में हस्तान्तरित की गई।

एल० एन० गुप्ता
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 21-3-1977

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अभिग्रहण रेंज, कानपुर

कानपुर, तारीख 29 मार्च 1977

निदेश सं० अभिग्रहण/422/रुड़की/76-77/625—अतः
मुझे, एल० एन० गुप्ता
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इससे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के
अनुसार स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रुड़की
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908, (1908 का 16) के
अधीन तारीख 28-6-1976 को
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
वा पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
हय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप में नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती विणम्बरी पत्नी जोधा सिंह
(गूजर) निवासी ग्राम विन्नीसी पराग
रुड़की सहारनपुर। (अन्तरक)
2. श्री नूरमुहम्मद (2) खलील अहमद
पुत्र हुसेन बक्स (3) अब्दुल रहमान
पुत्र अब्दुल्ला निवासी विन्नीसी
इन्देरा पराग तहसील तहसील रुड़की
जिला सहारनपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति का 1/2 भाग यानी 6 बीघा 9 बिस्वा
10 बिसवांसी जोकि ग्राम विन्नीली, परगना रुड़की, जिला
सहारनपुर सर्किल नं० 5 में स्थित है, जोकि 40,000/- रुपये में
हस्तांतरित किया गया है।

एल० एन० गुप्ता
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

तारीख : 29-3-1977
मोहर :

श्रुत प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अभियन्तृ रेंज, कानपुर

कानपुर, तारीख 21 मार्च 1977

निदेश सं० अभियन्तृ/433/उत्प्राव/76-77/626—

अतः मुझे, एल० एन० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है तथा जो अनुसूची के अनुसार स्थित है (और इससे उपाय अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय उत्प्राव में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 25-6-1976 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री छत्र पाल पुत्र सीता राम
निवासी ग्राम लंघनघर, जिला उत्प्राव

(अन्तरक)

2. श्री कल्लू, एहसान, मुहम्मद यूसुफ
उर्फ मुल्ला पुत्र मान्हु, श्रीमती
शाब्बा पत्नी पुत्तन, निवासी गडियाना,
जिला उत्प्राव

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धावेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति (भूमि) नम्बर 1046 (खेतियूर भूमि)
जोकि बाहर नगर महापालिका पार्क जिला उत्प्राव में है जो कि 20,000/- रु० में हस्तान्तरित की गई।

एल० एन० गुप्ता
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, कानपुर

दिनांक: 21-3-1977

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

घायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली-1

4/14क, आसफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक मार्च, 1977

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/II/1239/76-77/—

प्रतः मुझे, एम० एस० गोयला

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० 53 है तथा जो अशोका पार्क एक्सटेंशन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अगस्त 1976 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दृष्टि वसी आय का आवत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजमार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री राम चन्द्र जैन सुपुत्र श्री मान सिंह जैन, निवासी 1/11, जयदेव पार्क, रोहतक रोड, दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री सुरीन्द्र कुमार जैन, सुपुत्र श्री ज्योती प्रसाद जैन, निवासी प्लॉट नं० 47, मकान नं० 5746, बस्ती हरफूल सिंह मंदर थाना रोड, दिल्ली। (अन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी ध्वितयो पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान जो कि 199 वर्ग मीटर (220 वर्ग गज) क्षेत्रफल प्लॉट पर बना हुआ है, जो कि अशोका पार्क एक्सटेंशन कालोनी, दिल्ली में है। यह मकान निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : प्राईमरी स्कूल तथा अन्य की जायदाद
पश्चिम : 60 फुट की सड़क
उत्तर : श्री कैलाश चन्द की कोठी नं० 52
दक्षिण : श्री एच० के० सक्सेना की कोठी नं० 54

एम० एस० गोयला

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : मार्च, 1977

मोहर :

संघ लोक सेवा आयोग

नोटिस

सहायक इंजीनियर (के० लो० नि० वि०) के ग्रेड में पदोन्नति हेतु सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा (1977)

नई दिल्ली, दिनांक 26 मार्च 1977

मं० एफ० 2/18/76-प I (ख):—भारत के राजपत्र दिनांक 26 मार्च, 1977 में निर्माण और आवास मंत्रालय द्वारा प्रकाशित नियमों के अनुसार केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग में कनिष्ठ इंजीनियरों (सिविल)/वैद्युत की सहायक इंजीनियरों के ग्रेड (सिविल/वैद्युत) में पदोन्नति हेतु संघ लोक सेवा आयोग द्वारा 26 जुलाई, 1977 को बम्बई, कलकत्ता, दिल्ली, दिसपुर (गोहाटी), मद्रास और नागपुर में एक सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा आयोजित की जाएगी।

आयोग यदि चाहे तो परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्रों तथा तारीख में परिवर्तन कर सकता है। परीक्षा में प्रवेश-प्राप्त उम्मीदवारों की परीक्षा की समय सारणी तथा स्थान अथवा स्थानों के बारे में सूचित किया जाएगा (देखिए उपाबंध, पैरा 8)।

2. इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की लगभग संख्या निम्नलिखित हैं:—

(i) सहायक इंजीनियर (सिविल)	150*
(ii) सहायक इंजीनियर (वैद्युत)	50*

उपर्युक्त संस्थाओं में परिवर्तन किया जा सकता है।

*अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या, यदि कोई होगी, सरकार द्वारा निर्धारित की जाएगी।

ध्यान दें :—उम्मीदवार जिस ग्रेड अर्थात् सहायक इंजीनियर (सिविल) या सहायक इंजीनियर (वैद्युत) की प्रतियोगिता परीक्षा में सम्मिलित होना चाहते हैं, अपने आवेदन पत्रों में उसका स्पष्ट उल्लेख करें।

3. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को निर्धारित आवेदन-प्रपत्र पर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को आवेदन करना चाहिए। निर्धारित आवेदन-प्रपत्र तथा परीक्षा से संबंध पूर्ण विवरण दो रुपए देकर आयोग से डाक द्वारा प्राप्त किये जा सकते हैं। यह राशि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस नई दिल्ली-110011 को मनीआर्डर द्वारा या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, को नई दिल्ली जनरल डाकघर पर देय भारतीय पोस्टल आर्डर द्वारा भजी जानी चाहिए। मनीआर्डर/पोस्टल आर्डर के स्थान पर बैंक या करेंसी नोट स्वीकार नहीं किए जाएंगे। ये आवेदन-प्रपत्र आयोग काउंटर पर नकद भुगतान द्वारा भी प्राप्त किए जा सकते हैं। दो रुपए की यह राशि किसी भी हालत में वापस नहीं की जाएगी।

6—516QI/76

नोट 1 :—डाक द्वारा आवेदन पत्र और परीक्षा का विवरण संगाने के लिए किया जाने वाला अनुरोध आयोग के कार्यालय में 2 मई, 1977 से पहले पहुंच जाना चाहिए। पर व्यक्तिगत रूप से आयोग के कार्यालय से ये आवेदन-प्रपत्र 9 मई 1977 तक मिल सकते हैं।

नोट 2 :—उम्मीदवारों को चतावनी दी जाती है कि वे अपने आवेदन-पत्र सहायक इंजीनियर (के० लो० नि० वि०) के ग्रेड में पदोन्नति हेतु सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा (1977) के लिए निर्धारित मुद्रित प्रपत्र में ही प्रस्तुत करें। सहायक इंजीनियर (के० लो० नि० वि०) के ग्रेड में पदोन्नति हेतु सीमित विभागीय प्रतियोगिता परीक्षा (1977) के लिए निर्धारित आवेदन पत्रों से इतर प्रपत्रों पर प्रस्तुत आवेदन पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा।

4. भरा हुआ आवेदन-पत्र आवश्यक प्रलेखों के साथ सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली 110011 के पास 9 मई, 1977 को या उससे पूर्व अवश्य पहुंच जाना चाहिए। निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

5. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को भरे हुए आवेदन-पत्र के साथ आयोग को रु० 28.00 (अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के मामले में रु० 7.00) का शुल्क भेजना होगा जो कि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के प्रधान डाकघर पर देय रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्डर या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग की नई दिल्ली की पार्लियामेंट स्ट्रीट पर स्थित स्टेट बैंक आफ इंडिया पर देय स्टेट बैंक आफ इंडिया की किसी भी शाखा से जारी किए गए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट के रूप में हो।

विदेश में रहने वाले उम्मीदवारों को निर्धारित शुल्क भारत के उच्च आयुक्त, राजदूत या विदेश स्थित प्रतिनिधि जैसी भी स्थिति हो, के कार्यालय में जमा करना होगा ताकि वह "051 लोक सेवा आयोग परीक्षा शुल्क" के लेखाशीर्ष में जमा हो जाए और उन्हें आवेदन पत्र के साथ उसकी रसीद लगा कर भजनी चाहिए।

जिन आवेदन-पत्रों में यह अपेक्षा पूरी नहीं होगी उन्हें एकदम अस्वीकार कर दिया जाएगा।

6. जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क का भुगतान कर दिया हो किन्तु उसे आयोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया हो तो उसे रु० 15.00 (अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों के मामले में रु० 4.00) वापस कर दिए जाएंगे।

उपर्युक्त व्यवस्था को छोड़कर अन्य किसी भी स्थिति में आयोग को भुगतान किए गए शुल्क की वापसी के किसी दावे पर न तो विचार किया जाएगा और न ही शुल्क को किसी अन्य परीक्षा या चयन के लिए आरक्षित रखा जा सकेगा।

आवेदन-पत्र प्रस्तुत करने के बाद उम्मीदवारी की वापसी के लिए उम्मीदवार के किसी प्रकार के अनुरोध पर किसी भी परिस्थिति में विचार नहीं किया जाएगा।

रामस्वरूप गोयल
उप सचिव,
संघ लोक सेवा आयोग

उपाबंध

उम्मीदवारों को अनुदेश

1. उम्मीदवारों को चाहिए कि वे आवेदन-प्रपत्र भरने से पहले नोटिस और नियमावली को ध्यान से पढ़ कर यह देख लें कि वे परीक्षा में बैठने के पात्र भी हैं या नहीं, निर्धारित शर्तों में छूट नहीं दी जा सकती।

आवेदन पत्र भेजने से पहले उम्मीदवार को नोटिस के पैरा 1 में दिए गए केन्द्रों में से किसी एक को, जहाँ वह परीक्षा देने का इच्छुक है, अंतिम रूप से चुन लेना चाहिए। सामान्यतः चुने हुए स्थान में परिवर्तन से संबंध किसी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

2. उम्मीदवार को आवेदन प्रपत्र तथा पावती का अपने हाथ से ही भरने चाहिए। सभी प्रविष्टियाँ/उत्तर शब्दों में होनी/होने चाहिए रेखा या बिन्दु आदि के द्वारा नहीं। अधूरा या गलत भरा हुआ आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

उम्मीदवार अपना आवेदन-पत्र अपने विभाग या कार्यालय के प्रधान को प्रस्तुत करें जो आवेदन-पत्र के अन्त में पृष्ठांकन को भर कर उसे आयोग को भेज देंगे।

3. उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के साथ निम्नलिखित प्रलेख अवश्य भेजने चाहिए :—

- (i) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर या बैंक ड्राफ्ट (देखिए नोटि का पैरा 5)।
- (ii) उम्मीदवार के हाल ही में पास कोर्ट आकार (लगभग 5 सें० मी० X 7 सें० मी०) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियाँ।
- (iii) शैक्षिक योग्यता के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि [देखिए नीचे पैरा 4 (iii)]।
- (iv) जहाँ लागू हो वहाँ अनसूचित जाति/अनसूचित जनजाति का होने के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अभि-प्रमाणित प्रतिलिपि [देखिए नीचे पैरा 4 (iv)]।

नोट :—उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पत्रों के साथ उपर्युक्त मद (iii) और (iv) में उल्लिखित प्रमाण-पत्रों की केवल प्रतियाँ ही प्रस्तुत करनी हैं जो सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी द्वारा अभिप्रमाणित हों अथवा स्वयं उम्मीदवारों द्वारा सही प्रमाणित हों। जो उम्मीदवार परीक्षा के लिखित भाग के परिणाम के आधार पर सेवा अभिलेख के मूल्यांकन के लिए अर्हता प्राप्त कर लेते हैं उन्हें लिखित परीक्षा के परिणाम की घोषणा के बाद शीघ्र ही प्रमाण-पत्र मूल रूप में प्रस्तुत करने होंगे। परिणाम संभवतः दिसम्बर, 1977 में घोषित किए जाएंगे। उम्मीदवारों को अपने प्रमाण-पत्र तैयार रखने चाहिए और लिखित परीक्षा के परिणाम की घोषणा के बाद शीघ्र ही आयोग को प्रस्तुत कर देने चाहिए। जो उम्मीदवार उस समय अपेक्षित प्रमाण-पत्र मूल रूप में प्रस्तुत नहीं करेंगे उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और उनका आगे विचार किए जाने का दावा स्वीकार नहीं होगा।

4. पैरा 3 की मद (i) में (iv) तक उल्लिखित प्रलेखों के विवरण नीचे दिए हैं,

(i) (क) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर—

प्रत्येक पोस्टल आर्डर अनिवार्यतः रेखांकित होना चाहिए और उस पर "सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के प्रधान डाक घर पर देय लिखना चाहिए।

किसी अन्य डाकघर पर देय पोस्टल आर्डर किसी भी हासल में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरूपित या कटे फटे पोस्टल आर्डर भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

सभी पोस्टल आर्डरों पर जारी करने वाले पोस्ट मास्टर के हस्ताक्षर और जारी करने वाले डाकघर की स्पष्ट मोहर होनी चाहिए।

उम्मीदवारों को यह अवश्य नोट कर लेना चाहिए कि जो पोस्टल आर्डर न तो रेखांकित किए गए हों और न ही सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के जनरल डाकघर पर देय हों, उन्हें भेजना सुरक्षित नहीं है।

(ख) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट :— बैंक ड्राफ्ट स्टेट बैंक आफ इंडिया की किसी शाखा से प्राप्त किया जाए और वह सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को स्टेट बैंक आफ इंडिया, पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली में देय हो तथा विधिवत् रेखांकित किया गया हो।

किमी अन्य बैंक में देय बैंक ड्राफ्ट किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरूपित या कटे फटे बैंक ड्राफ्ट भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

(ii) फोटो की दो प्रतियां :—उम्मीदवार को अपने हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें० मी० × 7 सें० मी०) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियां अवश्य भेजनी चाहिए। इनमें से एक प्रति आवेदन-पत्र के पहले पृष्ठ पर चिपका देनी चाहिए और दूसरी प्रति आवेदन-पत्र के साथ अच्छी तरह नत्थी कर देनी चाहिए। फोटो की प्रत्येक प्रति पर सामने की ओर उम्मीदवार को स्थायी से हस्ताक्षर करने चाहिए।

(iii) शैक्षिक योग्यता का प्रमाण-पत्र : उम्मीदवार को एक ऐसे प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि अवश्य भेजनी चाहिए जिसमें इस बात का प्रमाण मिल सके कि निर्धारित योग्यताओं जैसे किसी विश्वविद्यालय या भारत सरकार द्वारा अनुमोदित बोर्ड से इंजीनियरी में डिग्री या डिप्लोमा या इसके सम-कक्ष योग्यताओं में से कोई एक योग्यता उसके पास है। भेजा गया प्रमाण-पत्र उस प्राधिकारी (अर्थात् विश्वविद्यालय या किसी अन्य परीक्षा निकाय) का होना चाहिए जिसने उसे योग्यता विशेष प्रदान की हो। यदि ऐसे प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि न भेजी जाए तो उम्मीदवार को उसे न भेजने का कारण अवश्य बताना चाहिए और अपेक्षित योग्यता से संबद्ध अपने दावे की पुष्टि में किसी अन्य प्रमाण-पत्र की प्रतिलिपि भेजनी चाहिए। आयोग इस माध्यम पर उसकी गुणवत्ता के आधार पर विचार करेगा, किन्तु वह उसे पर्याप्त मानने के लिए बाध्य नहीं होगा।

(iv) यदि कोई उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का होने का दावा करे तो उसे अपने दावे के समर्थन में उस जिले के, जिसमें उसके माता-पिता (या जीवित माता या पिता) आमतौर से रहते हों, जिला अधिकारी या उप मंडल अधिकारी या निम्नलिखित किसी अन्य ऐसे अधिकारी से जिसे संबद्ध राज्य सरकार ने यह प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी के रूप में नामित किया हो, नीचे दिए फार्म में प्रमाण-पत्र लेकर उनकी एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए। यदि उम्मीदवार के माता और पिता दोनों की मृत्यु हो गई हो तो यह प्रमाण-पत्र उस जिले के अधिकारी से लिया जाना चाहिए जहां उम्मीदवार अपनी शिक्षा से भिन्न किसी अन्य प्रयोजन से आम तौर पर रहता हो।

भारत सरकार के अधीन पदों पर नियुक्ति के लिए आवेदन करने वाले अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म :—

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती/कुमारी* _____
 सुपुत्र/सुपुत्री* _____ जो गांव/कस्बा* _____
 जिला/मंडल* _____ राज्य/संघ* राज्य क्षेत्र _____
 के/की* निवासी हैं _____
 _____ जाति/जन* जाति के/की* हैं _____

जिसे निम्नलिखित के अधीन अनुसूचित जाति/अनुसूचित *जन जाति के रूप में मान्यता दी गई है।

संविधान (अनुसूचित जातियां) आदेश 1950*

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) आदेश, 1950*

संविधान अनुसूचित (जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951*

(अनुसूचित जातियां और अनुसूचित जन जातियां सूची (आशोधन) आदेश, 1956, बम्बई पुनर्गठन अधिनियम, 1960; पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम 1970 और उत्तर पूर्वी क्षेत्र (पुनर्गठन) अधिनियम, 1971 द्वारा यथा संशोधित)।

संविधान (जम्मू और कश्मीर) अनुसूचित जातियां आदेश, 1956*

संविधान (अंडमान और निकोबार द्वीप समूह) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1959*

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जातियां आदेश, 1962*

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1962*

संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियां आदेश, 1964*

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967*

संविधान (गोआ, दमन तथा दियु) अनुसूचित जातियां आदेश, 1968*

संविधान (गोआ, दमन तथा दियु) अनुसूचित जन जातियां आदेश 1968*

संविधान (नागालैंड) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1970*

2. श्री/श्रीमती/कुमारी* _____
 और/या* उनका परिवार आम तौर पर से गांव/कस्बा* _____
 जिला/मण्डल* _____ में राज्य/संघ* _____ में
 राज्य क्षेत्र _____ में
 रहते/रहती* हैं।

हस्ताक्षर _____

*पदनाम _____

(कार्यालय की मोहर सहित)

स्थान

राज्य/संघ* राज्य क्षेत्र

तारीख

*जो शब्द लागू न हों उन्हें कृपया काट दें

नोट:—यहाँ प्रयुक्त “आम तौर से रहते/रहती* हैं” का अर्थ वही होगा जो “रिप्रजेंटेशन ऑफ़ दि पीपुल ऐक्ट, 1950” की धारा 20 में है।

**जाति/जन जाति प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी।

- (i) जिला मैजिस्ट्रेट/अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट/क्लेक्टर/डिप्टी कमिशनर/एडीशनल डिप्टी कमिशनर/डिप्टी कलेक्टर/प्रथम श्रेणी का स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट /मिटी मैजिस्ट्रेट/सब-डिवीजनल मैजिस्ट्रेट/ताल्लुक मैजिस्ट्रेट/एक्जीक्यूटिव मैजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा असिस्टेंट कमिशनर।

†(प्रथम श्रेणी के स्टाइपेंडरी मैजिस्ट्रेट से कम आहूदों का नहीं)।

- (ii) चीफ़ प्रेसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट/एडीशनल चीफ़ प्रेसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट/प्रेसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट।
- (iii) रेवेन्यू अफ़सर जिसका आहूदा तहसीलदार से कम न हो।
- (iv) उस इलाके का सब-डिवीजनल अफ़सर जहाँ उम्मीदवार और/या उसका परिवार आमतौर से रहता हो।
- (v) ऐडमिनिस्ट्रेटर/ऐडमिनिस्ट्रेटर का सचिव/डवलपमेंट अफ़सर, लक्षद्वीप।

ध्यान दें :— उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ ऊपर पैरा (3) (ii), और 3(iii) में उल्लिखित प्रलेख आदि में से कोई एक संलग्न न होगा और उसे न भेजने का उचित स्पष्टीकरण भी नहीं दिया गया होगा तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है और इस अस्वीकृति के विषय कोई अपील नहीं सुनी जाएगी। यदि कोई प्रलेख आवेदन-पत्र के साथ न भेजे गए हों तो उन्हें आवेदन-पत्र भेजने के बाद शीघ्र ही भेज देना चाहिए और वे हर हालत में आवेदन-पत्र प्राप्त करने के लिए निर्धारित अंतिम तारीख के बाद एक महीने के भीतर आयोग के कार्यालय में पहुँच जाने चाहिए। यदि ऐसा न किया गया तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

5. उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन-पत्र भरते समय कोई झूठा ब्यौरा न दें अथवा किसी महत्वपूर्ण सूचना को न छिपाएं।

उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि वे अपने द्वारा प्रस्तुत किए गए किसी प्रलेख अथवा उसकी प्रति की किसी प्रविष्टि को किसी भी स्थिति में न तो ठीक करें न उसमें परिवर्तन करें और न कोई फेरबदल करें और न ही कोई फेरबदल किए गए/छूटे प्रलेख प्रस्तुत करें। यदि ऐसे दो या इसमें अधिक प्रलेखों या उनकी प्रतियों में

कोई अशुद्धि अथवा विमंगति हो तो विमंगति के संबंध में स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया जाए।

6. आवेदन-पत्र देर से प्रस्तुत किए जाने पर देरी के कारण के रूप में यह तर्क स्वीकार नहीं किया जाएगा कि आवेदन-पत्र ही अमुक तारीख को भेजा गया था। आवेदन-पत्र का भेजा जाना ही स्वतः इस बात का सूचक न होगा कि आवेदन-पत्र पाने वाला परीक्षा में बैठने का पात्र हो गया है।

7. यदि परीक्षा से संबंधित आवेदन-पत्रों की प्राप्ति की आखिरी तारीख से एक महीने के भीतर उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र की पावती न मिले तो उसे पावती प्राप्त करने के लिए आयोग से तत्काल सम्पर्क करना चाहिए।

8. इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीदवार को उसके आवेदन-पत्र के परिणाम की सूचना यथार्थांश दे दी जाएगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता कि परिणाम कब सूचित किया जाएगा। यदि परीक्षा के शुरू होने की तारीख से एक महीने पहले तक उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के परिणाम के बारे में संघ लोक सेवा आयोग से कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिए उसे आयोग से तत्काल सम्पर्क स्थापित करना चाहिए। यदि उम्मीदवार ने ऐसा नहीं किया तो वह अपने मामले में विचार किए जाने के दावे से वंचित हो जाएगा।

9. परीक्षा में बैठने के लिए उम्मीदवार संघ लोक सेवा आयोग से कोई यावा भत्ता प्राप्त करने के हकदार नहीं है।

10. आवेदन-पत्रों से संबंधित पत्र-व्यवहार:— आवेदन-पत्रों से संबंधित सभी पत्र आर्टि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, शाहजहाँ रोड, नई दिल्ली-110011 को भेजे जाएं तथा उनमें नीचे लिखा ब्यौरा अनिवार्य रूप से दिया जाए :—

- (1) परीक्षा का नाम
- (2) परीक्षा का महीना और वर्ष
- (3) उम्मीदवार का रोल नम्बर अथवा जन्म की तारीख यदि रोल नम्बर सूचित नहीं किया गया है।
- (4) उम्मीदवार का नाम पूरा तथा बड़े अक्षरों में।
- (5) आवेदन-पत्र में दिया गया पत्र-व्यवहार का पता।

ध्यान दें :— जिन पत्रों आदि में यह ब्यौरा नहीं होगा, संभवतः उन पर ध्यान नहीं दिया जाएगा।

11. पते में परिवर्तन :—उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके आवेदन-पत्र में उल्लिखित पते पर भेजे गए पत्र आदि, आवश्यक होने पर, उसको बदले हुए पते पर मिल जाया करें। पते में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी सूचना, उपर्युक्त परा 10 में उल्लिखित ध्यारे के साथ, यथाशीघ्र दी जानी चाहिए। यद्यपि आयोग ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरा-पूरा प्रयत्न करता है किन्तु इस विषय में वह कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं कर सकता।

अधीनस्थ सेवा आयोग

विज्ञप्ति

उच्च श्रेणी ग्रेड सीमित विभागीय प्रतियोगितात्मक परीक्षा,

1977

नई दिल्ली, दिनांक 26 मार्च 1977

सं० 13/1/77-ई० ए०—केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा के उच्च श्रेणी ग्रेड की प्रवर सूची में वृद्धि करने हेतु अधीनस्थ सेवा आयोग, नई दिल्ली के द्वारा 22 और 23 सितम्बर, 1977 को बम्बई, कलकत्ता, दिल्ली, मद्रास, नागपुर तथा विदेशों में स्थित कुछ चुने हुए भारतीय दूतावासों में एक सीमित विभागीय प्रतियोगितात्मक परीक्षा ली जाएगी।

2. पात्रता की शर्तें :—उम्मीदवार केन्द्रीय सचिवालय लिपिक सेवा का नियमित रूप से नियुक्त स्थायी अथवा अस्थायी अधिकारी होना चाहिए और जो निम्नलिखित शर्तों को पूरी करता हो :—

- (क) सेवा अवधि :—केन्द्रीय सचिवालय लिपिक के अवर श्रेणी लिपिक ग्रेड में 1-1-1977 को पांच वर्ष की अनुमोदित तथा लगातार सेवा से कम न हो।
- (ख) आयु :—1 जनवरी, 1977 को 45 वर्ष से अधिक नहीं हो। अनुसूचित जातियों/अनुसूचित आदिम जातियों और कुछ अन्य निर्धारित वर्गों के लिए उपरी आयु सीमा में छूट होगी।
- (ग) टंकण परीक्षा :—जब तक अवर श्रेणी ग्रेड में पुष्टि के लिए संघ लोक सेवा आयोग/सचिवालय प्रशिक्षण शाला/सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान (परीक्षा स्कन्ध)/अधीनस्थ सेवा आयोग द्वारा आयोजित मासिक/त्रैमासिक टंकण परीक्षा से छूट प्राप्त न हो, उसे इस परीक्षा की अधिसूचना की तारीख को अथवा उससे पहले ऐसी परीक्षा पास होनी चाहिए।

3. फीस :—12/- (अनुसूचित जातियों/अनुसूचित आदिम जातियों के लिए 3/-रु०)

4. पूरे विवरण तथा आवेदन पत्र सचिव, अधीनस्थ सेवा आयोग, पश्चिम खण्ड-1, रामकृष्णपुरम, नई दिल्ली-110022 को 1.00 रुपया (रिकाडिड डिलीवरी सिस्टम द्वारा आवेदन पत्र संग्रहण के लिए 2.00 रुपये) के रेखित ("प्राप्त कर्ता लेखा") भारतीय पोस्टल आर्डर जो अधीनस्थ सेवा आयोग को रामकृष्णपुरम (वितरण) डाकघर, नई दिल्ली पर देय हों, भेज कर अथवा आयोग के विक्री काउन्टर पर नकद भुगतान करके प्राप्त कर सकते हैं।

5. भरे हुए आवेदन-पत्र आयोग को 12 मई, 1977 (26 जून, 1977 विदेशों में तथा अंडमान एवम् निकोबार द्वीप समूह में तथा लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवारों के लिए) तक अवश्य पहुंच जाने चाहिए।

विज्ञप्ति

उच्च श्रेणी ग्रेड (रेल बोर्ड) सीमित विभागीय प्रतियोगितात्मक परीक्षा, 1977

सं० 13/2/77-ई० ए०—रेल बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा के उच्च श्रेणी ग्रेड की प्रवर सूची में वृद्धि करने हेतु अधीनस्थ सेवा आयोग, नई दिल्ली द्वारा 22 और 23 सितम्बर, 1977 को दिल्ली में एक सीमित विभागीय प्रतियोगितात्मक परीक्षा ली जाएगी।

2. पात्रता की शर्तें : उम्मीदवार रेल बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा का नियमित रूप से नियुक्त स्थायी अथवा अस्थायी अधिकारी होना चाहिए और जो निम्नलिखित शर्तों को पूरी करता हो :—

- (क) सेवा अवधि :—रेल बोर्ड सचिवालय लिपिक सेवा के अवर श्रेणी ग्रेड में 1-1-1977 को पांच वर्ष की अनुमोदित तथा लगातार सेवा से कम न हो।
- (ख) आयु :—1 जनवरी, 1977 को 45 वर्ष से अधिक नहीं हो। अनुसूचित जातियों/अनुसूचित आदिम जातियों और कुछ अन्य निर्धारित वर्गों के लिए ऊपरी आयु सीमा में छूट होगी।
- (ग) टंकण परीक्षा :—जब तक अवर श्रेणी ग्रेड में पुष्टि के लिए संघ लोक सेवा आयोग/सचिवालय प्रशिक्षण शाला/सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान (परीक्षा स्कन्ध) अधीनस्थ सेवा आयोग द्वारा आयोजित मासिक/त्रैमासिक टंकण परीक्षा से छूट प्राप्त न हो, उसे इस परीक्षा की अधिसूचना की तारीख को अथवा इससे पहले ऐसी परीक्षा पास होनी चाहिए।

3. फीस :—रु० 12/- (अनुसूचित जातियों/अनुसूचित आदिम जातियों के लिए 3/- रु०)।

4. पूरे विवरण तथा आवेदन-पत्र सचिव, अधीनस्थ सेवा आयोग, पश्चिम खण्ड-1, रामकृष्णपुरम, नई दिल्ली-110022 को 1-00 रुपया (रिफाईड डिलीवरी सिस्टम द्वारा आवेदन पत्र मंगवाने के लिए 2-00 रुपये) के रेखित ("प्राप्त कर्ता लेखा") भारतीय पोस्टल आर्डर जो अधीनस्थ सेवा आयोग को रामकृष्णपुरम, (वितरण) डाकघर, नई दिल्ली पर देय हों, को भेज कर या आयोग के बिक्री काउंटर पर नकद भुगतान करके प्राप्त कर सकते हैं।

5. भरे हुए आवेदन-पत्र आयोग को 12 मई, 1977 तक अवश्य पहुंच जाने चाहिए।

3. शुल्क :—12-00 रुपये (अनुसूचित जातियों/अनुसूचित आदिम जातियों के लिए 3-00 रुपये)

4. पूरे विवरण तथा आवेदन पत्र सचिव, अधीनस्थ सेवा आयोग, पश्चिम खण्ड 1, रामकृष्णपुरम, नई दिल्ली-110022 को 1-00 रुपया (रिफाईड डिलीवरी सिस्टम द्वारा आवेदन पत्र मंगवाने के लिए 2-00 रुपये) के रेखित (प्राप्तकर्ता लेखा) भारतीय पोस्टल आर्डर जो अधीनस्थ सेवा आयोग, रामकृष्णपुरम (वितरण) डाकघर, नई दिल्ली पर देय हों, भेज कर अथवा आयोग के बिक्री काउंटर पर नकद भुगतान करके प्राप्त कर सकते हैं।

5. भरे हुए आवेदन पत्र आयोग को 12 मई, 1977 (26 मई, 1977 विदेशों में तथा अंशमान एवम् निकोवार द्वीपसमूह में तथा लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवारों के लिए) तक अवश्य पहुंच जाने चाहिए।

विज्ञप्ति

ग्रेड ग आशुलिपिक सीमित विभागीय प्रतियोगितात्मक परीक्षा, 1977

सं० 13/3/77-ई० ए०—केंद्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा श्रेणी ग, भारतीय विदेश सेवा (ख) के आशुलिपिकों के सब काडर की श्रेणी II तथा मणस्त्र सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा की श्रेणी ग में अस्थाई रिक्तियों पर नियुक्ति करने हेतु अधीनस्थ सेवा आयोग, नई दिल्ली द्वारा 14 सितम्बर, 1977 को बम्बई, बलकत्ता, दिल्ली, मद्रास, नागपुर, तथा विदेश स्थित कुछ चुने हुए भारतीय हतावासों में एक प्रतियोगितात्मक परीक्षा ली जाएगी।

2. पात्रता की शर्तें :—ऊपरलिखित सेवाओं में से किसी एक का स्थाई अथवा नियमित रूप से लगा हुआ अस्थाई श्रेणी ग अथवा श्रेणी III आशुलिपिक हो जो निम्नलिखित शर्तें पूरी करता हो :—

(क) सेवा अवधि :—1 जनवरी, 1977 को श्रेणी ग अथवा श्रेणी III आशुलिपिक के पद पर तीन वर्ष की अनुमोदित तथा लगातार सेवा से कम न हो।

(ख) आयु :—1 जनवरी, 1977 को 45 वर्ष से अधिक न हो। अनुसूचित जातियों/अनुसूचित आदिम जातियों और कुछ अन्य निर्धारित वर्गों के लिए ऊपरी आयु सीमा में छूट होगी।

(ग) आशुलिपि परीक्षा :—सम्बंधित सेवा के श्रेणी ग अथवा श्रेणी III में पुष्टिकरण अथवा पद पर बने रहने के उद्देश्य के लिए आयोग की आशुलिपि परीक्षा इस परीक्षा की अधिसूचना की तारीख तक अथवा उससे पहले पास कर चुका होना चाहिए जब तक कि उसे ऐसी छूट प्राप्त न हो।

विज्ञप्ति

आशुलिपिक (साधारण श्रेणी) परीक्षा, 1977

सं० 3/6/76-भ० से०—अधीनस्थ सेवा आयोग द्वारा नीचे की तालिका के कालम (2) में उल्लिखित केंद्रों पर कालम (1) में दर्शाए गए राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों में स्थित भारत सरकार के अधीनस्थ कार्यालयों में 330-10-380-द० रो०-12-500-द० रो०-15-560 रुपए के वेतनमान में आशुलिपिक (साधारण श्रेणी) की रिक्तियों में भर्ती के लिए दिनांक 3 जुलाई, 1977 को परीक्षाएं ली जाएंगी। इन परीक्षाओं के परिणामों पर, भारत सरकार के उन अधीनस्थ कार्यालयों में, जिन के भर्ती नियम नीचे के पैरा 4 में तथा उल्लिखित इन परीक्षाओं के लिए पात्रता की शर्तों से मेल खाते हैं, वर्तमान रिक्तियों तथा उन रिक्तियों को, जिनको 30 जून, 1978 तक उत्पन्न होने की सम्भावना है, भरने के लिए आयोग सफल उम्मीदवारों की सिफारिश करेगा।

तालिका

अधीनस्थ कार्यालयों का स्थान	परीक्षा-केंद्र
(1)	(2)
1. जम्मू तथा कश्मीर, दिल्ली, जयपुर, पटियाला, हिमाचल प्रदेश, हरि- शिमला और श्रीनगर याणा, पंजाब, राजस्थान और दिल्ली एवं चंडी- गढ़ संघ राज्य क्षेत्र	
2. उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश इलाहाबाद, भोपाल और पटना और बिहार	

- | | |
|---|---|
| 1 | 2 |
| <p>3. पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, अग्रतला, कलकत्ता, कटक और आसाम, मनीपुर, त्रिपुरा, दिसपुर (गौहाटी) नागालैण्ड, मेघालय, मिजोरम और मीजोरम, अरुणाचल प्रदेश तथा अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह संघ राज्य क्षेत्र</p> <p>4. गुजरात, महाराष्ट्र और अहमदाबाद, बम्बई और नाग-गोवा, दमन तथा दीव पुर एवं दादरा और नागर हवेली संघ राज्य क्षेत्र</p> <p>5. आन्ध्र प्रदेश, कर्नाटक, बंगलौर, हैदराबाद, मद्रास और तमिल नाडु, केरल और त्रिवेन्द्रम पांडिचेरी एवं लक्षद्वीप संघ राज्य क्षेत्र</p> | |

टिप्पणी :—उम्मीदवार उक्त तालिका के कालम (1) में दर्शाए गए राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के समूह में स्थित अधीनस्थ कार्यालयों में रिक्तियों की भर्ती के लिए पात्र होगा तथा उसे कालम (2) में, उस समूह के मामले में उल्लिखित केन्द्रों में से एक चुनना चाहिए।

2. परीक्षाओं के लिखित भाग में सामान्य ज्ञान और अंग्रेजी भाषा पर एक संयुक्त प्रश्न-पत्र होगा जिसके अधिकतम 200 अंक होंगे। प्रश्न-पत्र विषय-पूरक प्रकार का होगा। जो उम्मीदवार इस पत्र में, आयोग द्वारा अपने विवेकानुसार यथा निर्धारित कोई न्यूनतम मानक प्राप्त करेंगे, उनका अंग्रेजी/हिन्दी आशुलिपि में परीक्षण लिया जाएगा, जो बाद में उन तारीखों को होगा जो प्रत्येक पात्र उम्मीदवार को अधिसूचित की जाएंगी।

सामान्य ज्ञान के प्रश्नों के 100 अंक होंगे तथा उम्मीदवारों से आशा की जाती है कि उनको भारत के संविधान, पंच वर्षीय योजनाओं, भारतीय इतिहास एवं संस्कृति, भारत के सामान्य एवं आर्थिक भूगोल, सामयिक घटनाओं, दैनिक विज्ञान और प्रतिदिन दृष्टिगोचर होने वाले ऐसे विषयों की कुछ जानकारी हो जिनकी किसी शिक्षित व्यक्ति से अपेक्षा की जा सकती है। उम्मीदवारों के उत्तर ऐसे होने चाहिए जिनसे यह पता चले कि उन्होंने प्रश्नों को बुद्धिमत्ता पूर्वक समझ लिया है, ऐसा न लगे कि उनकी किसी पाठ्य पुस्तक का विस्तृत ज्ञान है। अंग्रेजी भाषा पर प्रश्नों के 100 अंक होंगे और प्रश्न पत्र ऐसा होगा जिससे अंग्रेजी व्याकरण, शब्द-ज्ञान तथा अंग्रेजी भाषा के शुद्ध एवं अशुद्ध प्रयोग में अन्तर जानने की योग्यता तथा भाषा को समझने की क्षमता के बारे में उम्मीदवार के ज्ञान का रीक्षण हो सके।

ऐसे सभी उम्मीदवारों के लिए, जो आशुलिपि की परीक्षा अंग्रेजी में देने का विकल्प देंगे, प्रश्न-पत्र में प्रश्न अंग्रेजी में देंगे। उन उम्मीदवारों के लिए, जो आशुलिपि की परीक्षा हिन्दी में देने का विकल्प देंगे, प्रश्न-पत्र में सामान्य ज्ञान से सम्बन्धित भाग में प्रश्न हिन्दी में होंगे।

आशुलिपि की परीक्षा में अंग्रेजी अथवा हिन्दी में दो श्रुतलेख दिये जाएंगे—एक पाँच मिनट के लिए 100 शब्द प्रति मिनट की गति में और दूसरा पाँच मिनट के लिए 80 शब्द प्रति मिनट की गति में। उन उम्मीदवारों को, जो आशुलिपि की परीक्षा अंग्रेजी में देने का विकल्प देंगे, दोनों श्रुतलिखित उद्घरण 60 मिनट में और उन को, जो आशुलिपि की परीक्षा हिन्दी में देने का विकल्प देंगे, दोनों श्रुतलिखित उद्घरण 75 मिनट में लिप्यन्तरीत करने होंगे। प्रत्येक प्रति पर आशुलिपि-परीक्षा के 300 अंक होंगे। वे सब उम्मीदवार जो 100 शब्द प्रति मिनट की गति में आशुलिपि परीक्षा में न्यूनतम अर्हक मानक प्राप्त करेंगे, पदवी में, उन उम्मीदवारों से ऊपर रखे जाएंगे जो 80 शब्द प्रति मिनट से आशुलिपि परीक्षा में वही मानक प्राप्त करेंगे। प्रत्येक समूह में व्यक्तियों को उसी श्रेष्ठताक्रम में रखा जाएगा जो प्रत्येक उम्मीदवार को दिए गए कुल अंकों द्वारा निर्धारित होगा। नियुक्ति के पश्चात् उन उम्मीदवारों को, जो आशुलिपि की परीक्षा हिन्दी में देने का विकल्प देंगे, अंग्रेजी आशुलिपि सीखनी होगी तथा जो अंग्रेजी आशुलिपि की परीक्षा देने का विकल्प देंगे उनको हिन्दी आशुलिपि सीखनी होगी।

3. रिक्तियों का आरक्षण :—अनुसूचित जातियों तथा आदिम जातियों के उम्मीदवारों और भूतपूर्व सैनिकों के लिए, उन रिक्तियों का आरक्षण किया जाएगा जो लागू आदेशों के अनुसार भारत सरकार द्वारा नियत की जाएंगी।

4. पात्रता की शर्तें :—

(क) शैक्षणिक अर्हता : मैट्रिकुलेशन अथवा समकक्ष

(ख) आयु सीमा : 1-1-1977 को 18—25 वर्ष के बीच।

अनुसूचित जातियों, आदिम जातियों और कुछ अन्य श्रेणीयों के सदस्यों के लिए नीचे बताए अनुसार ऊपरी आयु सीमा में सामान्य गिन्यायतें स्वीकार्य होंगी :—

(i) अनुसूचित जातियों/आदिम जातियों के सदस्य — 5 वर्ष तक,

(ii) बंगला देश में विस्थापित व्यक्ति, युद्ध के दौरान अशक्त हुए तथा निर्मुक्त हुए, रक्षा सेवा कामिक और 1971 के भारत-पाक संघर्ष में अशक्त हुए, तथा निर्मुक्त हुए सीमा सुरक्षा सेना कामिक—3 वर्ष तक,

- (iii) बर्मा और श्री लंका से भारतीय मूल के प्रत्यावर्तित व्यक्ति-3 वर्ष तक, बशर्ते कि जो रियायत फरवरी, 1977 के अन्त तक उनके लिए लागू थी, वह सरकार द्वारा ऐसी श्रेणियों के कर्मचारियों के लिए बढ़ा दी जाए,
- (iv) मर्दों (ii) और (iii) में उल्लिखित श्रेणियों के उम्मीदवार जो अनुसूचित जातियों, आदिम जातियों से भी सम्बन्धित हो—8 वर्ष तक, और
- () केन्या, युगांडा, तंजानिया, जाम्बिया, मलावी, जायरे तथा इथियोपिया से प्रवासी-3 वर्ष तक, बशर्ते कि जो रियायत 31 दिसम्बर, 1976 तक उनके लिए लागू थी, वह सरकार द्वारा ऐसी श्रेणियों के कर्मचारियों के लिए बढ़ा दी जाए।
- भूतपूर्व सैनिकों (सम्बद्ध नियमों में यथा परिभाषित) के लिए ऊपरी आयु सीमा में सशस्त्र सेनाओं में उनकी कुल सेवा में 3 वर्ष की वृद्धि की सीमा तक छूट होगी। इस रियायत के अधीन भूतपूर्व सैनिक केवल उन्हीं रिक्रूटों के लिए प्रतियोगिता के पात्र होंगे, जो उनके लिए आरक्षित होंगे।
- कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग के कार्यालय ज्ञापन सं० 4/4/74-स्था० (डी०) दिनांक 20-7-1976 में समाविष्ट उपबन्धों के अनुसार विभागीय उम्मीदवारों के लिए भी ऊपरी आयु सीमा में छूट होगी।
5. जो उम्मीदवार पहले से सरकारी नौकरी में हों, उन्हें अपने आवेदन अपने कार्यालयों की मार्फत प्रस्तुत करने चाहिए।
6. शुल्क :—12/- रुपए (अनुसूचित जातियों/आदिम जातियों के लिए 3/- रुपए)। भूतपूर्व सैनिकों के लिए कोई शुल्क नहीं। ऊपर उल्लिखित शुल्क का भुगतान भारतीय पोस्टल आर्डरों द्वारा होना चाहिए जो “केवल प्राप्तकर्ता लेखा”, शब्दों द्वारा रेखांकित हो तथा नई दिल्ली डाक घर, नई दिल्ली पर अधीनस्थ सेवा आयोग को देय हों।
7. पात्र उम्मीदवारों से, यथावत हस्ताक्षरित, निम्नलिखित सूचना देने हुए सादे कागज पर दिए गए आवेदन पत्र जिनके साथ निर्धारित शुल्क तथा उम्मीदवार की हाल ही की फोटो की पास-पोट आकार की 3 प्रतियां हों, दिनांक 19 अप्रैल, 1977 तक सचिव, अधीनस्थ सेवा आयोग, 35, कम्युनिटी सेंटर, बसंत लोक, बसंत विहार, नई दिल्ली 110057 के पास अवश्य पहुंच जानी चाहिए। जिन आवेदन-पत्रों के साथ आवश्यक शुल्क या फोटो नहीं होंगे, उन्हें सरसरी तौर पर अस्वीकृत किया जा सकता है।
- (1) परीक्षा का नाम।
 - (2) उम्मीदवार का नाम (स्पष्ट अक्षरों में),
 - (3) जन्म-तिथि (ईस्वी सन् में) जो मेट्रिकुलेशन अथवा इसकी समकक्ष परीक्षा प्रमाण-पत्र में अभिलिखित हो।
 - (4) उम्मीदवार के पिता का नाम,
 - (5) वर्तमान डाक पता (उम्मीदवारों के नाम तथा पते वाली तीन अलग पंक्तियां भी साथ भेजनी चाहिए),
 - (6) शैक्षणिक अर्हताएं जो मेट्रिकुलेशन अथवा समकक्ष परीक्षा से आरम्भ हों तथा बोर्ड या विश्वविद्यालय का नाम,
 - (7) क्या वह अनुसूचित जाति या आदिम जाति का सदस्य है? यदि है तो अपनी अनुसूचित जाति/आदिम जाति प्रमाण-पत्र की सत्यापित प्रति साथ लगाएं,
 - (8) क्या वह विशिष्ट देशों से विस्थापित व्यक्ति/प्रवासी है? यदि है तो देश का नाम बताएं।
 - (9) यदि भूतपूर्व सैनिक हो, तो प्रमाण पत्र (i) की सत्यापित प्रतियों सहित ब्यौरे दें।
 - (10) वह केन्द्र जहां वह परीक्षा देना चाहता है,
 - (11) वह भाषा बताएं जिस में वह आणुलिपि की परीक्षा देना चाहता है, अंग्रेजी अथवा हिन्दी,
 - (12) संलग्न भारतीय पोस्टल आर्डरों के नम्बर तथा उनके मूल्य बर्ग,
 - (13) यदि नौकरी में हो तो उस सरकारी कार्यालय का नाम तथा पता जहां काम कर रहा हो,
 - (14) तारीख सहित उम्मीदवार के हस्ताक्षर,
 - (15) विभागीय उम्मीदवारों तथा उन उम्मीदवारों के मामले में जो पहले से सरकारी नौकरी में हों आवेदन-पत्र उनके विभाग/कार्यालय के अध्यक्ष द्वारा यथावत हस्ताक्षरित तथा समर्थित कर के भेजने चाहिए।

टिप्पणी—(1) आवेदन-पत्र वाले लिफाफे के ऊपर निम्न-
लिखित स्पष्ट अक्षरों में लिखा होता
चाहिए :—

"आणुलिपिक (साधारण श्रेणी) परीक्षा,
1977 के लिए आवेदन-पत्र"

(2) आवेदन-पत्र के साथ मूल प्रमाण-पत्र नहीं
भेजने चाहिए।

(3) हस्ताक्षर—रहित आवेदन पत्र स्वीकार नहीं
किया जाएगा।

मदन लाल, सचिव
अधीनस्थ सेवा आयोग

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 11th February 1977

No. A.32014/1/76-Admn.III(1).—The President is pleased to appoint Shri S. P. Mathur, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period from 29-12-76 to 28-2-77 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/76-Admn.III(2).—The President is pleased to appoint Shri H. S. Bhatia, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period of 48 days from 17-1-77 to 3-3-77 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/76-Admn.III(3).—The President is pleased to appoint Shri P. S. Sabherwal, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period of 48 days from 17-1-77 to 5-3-77 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/76-Admn.III(4).—The President is pleased to appoint Shri G. Natarajan, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period of 46 days from 1-2-77 to 18-3-77 or until further orders, whichever is earlier.

No. A.32014/1/76-Admn.III(5).—In continuation of this office notification of even number dated 12-1-77, the President is pleased to appoint Shri G. K. Samanta, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 31-1-77 to 28-2-77 or until further orders, whichever is earlier.

P. N. MUKHERJEE, Under Secy.
(Incharge of Administration)

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110001, the 5th March 1977

No. O.II-77-Estt.—The President is pleased to appoint on re-employment Col. G. S. Sodhi (Retd) as Commandant in the CRPF until further orders.

2. Col. Sodhi took over charge of the post of Commandant 1st Signal Bn., CRPF New Delhi on the forenoon of 22-2-77.

A K BANDYOPADHYAY, Asstt. Dir (Adm.)

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, UTTAR
PRADESH-I

Allahabad, the 23rd February 1977

O. O. No. Admn.1/11-14(xiii)/409.—The Accountant General, Uttar Pradesh-I, Allahabad has appointed the following Section Officers to officiate as Accounts Officers in this office until further orders with effect from the dates noted against each :—

1. Shri Mahendra Nath Gaur—14-2-77.
2. Shri Sikandar Lal—16-2-77.

U. RAMACHANDRA RAO, Sr. Dy. Acctt.
General (Admn.).

MINISTRY OF STEEL & MINES

(DEPARTMENT OF STEEL)

IRON & STEEL CONTROL

Calcutta-20, the 28th February 1977

No. EI-1(5)/74.—Iron & Steel Controller hereby appoints Shri Rabindra Lal Mitra, Superintendent, to the post of Deputy Assistant Iron & Steel Controller from 1-2-77 strictly on a provisional basis.

A. C. CHATTOPADHYAY, Dy. Director (Admn.)
for Iron & Steel Controller

(DEPARTMENT OF MINES)
INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 4th March 1977

No. A-19011(67)/75-Estt.A.—On his deputation to National Council of Applied Economic Research, New Delhi as "Mineralogist Shri G. D. Kalra, relinquished the charge of the post of Deputy Mineral Economist(Int.) in the Indian Bureau of Mines with effect from the afternoon of 31st January, 1977.

H. K. TANEJA, Asstt. Administrative Officer
for Controller.

DIRECTORATE GENERAL : ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 2nd March 1977

No. 10/59/73-SIII.—The Director General, All India Radio is pleased to accept the resignation of Shri S. K. Nanda from the post of Assistant Engineer with effect from the forenoon of 28th September, 1976.

The 4th March 1977

No. 10/6/75-SIII.—Consequent upon his selection to the post of Deputy Project Engineer (Communication Plans—Survey in Radio and Communication Project Office), office of the Chief Administrative Officer, Ministry of Defence, Shri Nascom Ahmed is hereby relieved of his duties as Assistant Engineer, Research Department, All India Radio, New Delhi with effect from the afternoon of 29-12-76.

HARJIT SINGH, Dy. Director
of Administration
for Director General.

DIRECTORATE GENERAL : DOORDARSHAN

New Delhi, the 26th February 1977

No. A-19012/51/76-SH.—The Director General, Doordarshan hereby accepts the resignation of Shri R. D. Gupta, Assistant Engineer, Doordarshan Kendra, Lucknow with effect from 9th February, 1977 (AN).

C. L. ARYA, Dy. Director of Admn.
for Director General.

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 5th March 1977

No. 34-5/73-Admn.I/Pt.II.—Consequent to the expiry of his term of appointment, Shri Amerson R. Masih relinquished charge of the post of Workshop Manager (Prosthetic) at the Safdarjang Hospital, New Delhi, on the afternoon of the 31st December, 1976.

S. P. JINDAL, Dy. Director Admn. (O&M)

New Delhi, the 28th February 1977

No. A.44015/5-76-CGHS I.—Consequent on return from deputation from Hajj Medical Mission to Saudi Arabia, Dr. Mohd. Inshaque assumed charge of the post of G.D.O. Grade I on 21-2-1977 (F.N.).

R. K. JINDAL, Dy Dir. Admn. (CGHS).

**BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE
(PERSONNEL DIVISION)**

Bombay-400085, the 13th July 1976

No. 5/1/76/Estt.II/1681.—The Controller, BARC appoints Shri Chandrakant Anant Deshmukh, Assistant, to officiate as Assistant Personnel Officer in this Research Centre with effect from 26-4-1976 (FN) to 5-6-1976 (AN) vice Shri J. Ramamurthy, Assistant Personnel Officer granted leave.

The 15th July 1976

No. 5/1/76/Estt.II/1700.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints the under mentioned Assistant Accountants to officiate as Assistant Accounts Officers in this Research Centre for the periods shown against their names :

Sr. No.	Name	Period	Remarks
1.	Smt. Shernavaz Parvez Meherji	1-5-76 to 11-6-76	Vice Shri R.G. Masurkar, Asstt. Accounts Officer appointed as Accounts Officer-II.
2.	Smt. Maya Pratab Gidwani	3-5-76 to 5-6-76	Vice Shri S. J. Shenoi, Asstt. Accounts Officer granted leave.

No. 5/1/76/Estt.II/1711.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Premnand Tryambakrao Borkar, officiating Assistant to officiate as Assistant Personnel Officer in this Research Centre for the period from 2-4-1976 to 15-5-76 vice Shri V. V. Sahasrabudhe, Assistant Personnel Officer granted leave.

The 19th July 1976

No. 5/1/76/Estt.II/1765.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Aliyattukudyil Ouseph Mathai, Stenographer(Sr) to officiate as Assistant Personnel Officer in this Research Centre for the period from 16-2-1976 to 9-4-1976 vice Shri K. S. Krishnan, Assistant Personnel Officer granted leave.

No. 5/1/76/Estt.II/1766.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri John Wasley officiating Selection Grade Clerk to officiate as Assistant Personnel Officer in this Research Centre for the period from 3-5-1976 to 19-6-1976 vice Shri M. G. Karnik, Asstt. Personnel Officer granted leave.

The 30th July 1976

No. R/1771/Estt.II/1983.—In continuation of this Research Centre notification No. PA/79(11)/72-R.IV dated 2-7-1974, the Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Badri Narain Raina, a Section Officer in the office of the Accountant General, Jammu & Kashmir, Srinagar as Assistant Personnel Officer in this Research Centre (Nuclear Research Laboratory, Srinagar) on deputation for a further period of one year with effect from the forenoon of June 13, 1976 under the existing terms and conditions.

The 7th August 1976

No. 5/1/76/Estt.II/2110.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints the undermentioned Assistants

to officiate as Assistant Personnel Officers for the periods shown against their names :—

Sr. No.	Name	Period	Remarks
1.	Shri Bhimashankar Vishwanath Bhagunde	29-5-76 to 23-7-76	Vice Shri M.S. Gogia Asstt. Personnel Officer granted leave.
2.	Shri Waman Sakharam Dixit	4-6-76 to 9-7-76	Vice Shri M.V. Ranganathan, Asstt. Personnel Officer granted leave.

The 16th August 1976

No. 5/1/76/Estt.II/2229.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Chintamani Vasudev Pendse, Officiating Assistant to officiate as Assistant Personnel Officer with effect from 10-5-1976 to 19-6-1976 vice Shri M. D. Gadgil, Asstt. Personnel Officer granted leave.

The 25th August 1976

No. 5/1/76/Estt.II/2364.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri RAVJEE GANGARAM MASURKAR, officiating Assistant Accounts Officer to officiate as Accounts Officer-II in this Research Centre for the period from 1-5-1976 to 31-7-1976 vice S/Shri K. Venkatachallam and M. K. Mogre Accounts officers granted leave.

The 16th September 1976

No. 5/1/76/Estt.II/2697.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints the undermentioned officers in this Research Centre to officiate against the posts and for the periods indicated against each :—

Sr. No.	Name and Designation	Post to which appointed	Period
1.	Kum. Hemlatha Bhagwantrao Vijayakar Administrative Officer-I	Administrative Officer-II	1-9-1975 to 19-2-1976
2.	Shri Rajanga Hara Shanmukham Administrative Officer-I	Administrative Officer-II	17-10-1975 to 16-4-1976
3.	Shri Radha Vallabh Bajpai Assistant Personnel Officer	Administrative Officer-I	1-9-1975 to 16-10-1975
4.	Shri Radha Vallabha Bajpai Assistant Personnel Officer	Administrative Officer-II	17-10-1975 to 31-12-1975
5.	Shri Govindan Sethuraman Assistant Personnel Officer	Administrative Officer-I	17-10-1975 to 12-3-1976
6.	Shri Nagarajan Venkata-subramanian Assistant Personnel Officer	Administrative Officer-I	17-10-1975 to 31-12-1975

The 23rd September 1976

No. S/2939/Estt.II/2843.—In continuation of this Research Centre notification No. S/2939/Est.V/435 dated 26-5-1975, the Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Chandra Deva Singh, a permanent Hindi Teacher in the office of the Hindi Teaching Scheme, Ministry of Home Affairs to officiate as Assistant Personnel Officer (Hindi) in the Bhabha Atomic Research Centre for a further period of one year with effect from the forenoon of March 30, 1976 or until further orders which ever is earlier.

The 4th October 1976

No. 5/1/76/Est.II/2979.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Kochukunju Balakrishnan officiating Assistant to officiate as Assistant Personnel Officer in this Research Centre for the period from 10-5-1976 to 25-6-1976 vice Shri A. D. Mokashi, Assistant Personnel Officer granted leave.

S. KRISHNAMURTHY, Dy. Establishment Officer.

Bombay-400085, the 21st October 1976

No. 5/1/76/Est.II/3248.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Ragunath Ganpat Patil, officiating Assistant to officiate as Assistant Personnel Officer in this Research Centre for the period from 13-4-1976 to 2-6-1976 vice Smt. A. K. Rajalakshmy, Assistant Personnel Officer granted leave.

The 2nd November 1976

No. G/180/MAPP/Est.II/3373.—On attaining the age of superannuation, Shri K. George, a permanent Assistant Foreman of the BARC and officiating SO/Engr. SB in MAPP retired from Government service with effect from the afternoon of September 30, 1976.

The 22nd November 1976

No. 5/1/76/Estt.II/3592.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints the undermentioned officiating Assistants to officiate as Assistant Personnel Officers in this Research Centre for the periods indicated against each :—

Sr. No.	Name	Period	
		From	To
1.	Shri Anant Onkar Vispute	1-8-76 (F.N.)	26-10-76 (A.N.)
2.	Shri Vasant Atmaram Purandare	9-8-76 (F.N.)	25-9-76 (A.N.)
3.	Shri Kishin Sadhuram Wadhvani	16-8-76 (F.N.)	25-9-76 (A.N.)
4.	Shri Vadaseril Araparampil Vijayan Menon	20-9-76 (F.N.)	12-11-76 (A.N.)

No. 5/1/76/Estt.II/3593.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri N. Venkatasubramanian, permanent Assistant Personnel Officer to officiate as Administrative Officer-II in this Research Centre with effect from 16-8-76 to 25-9-1976.

No. 5/1/76/Estt.II/3594.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri R. H. Shanmukham, a permanent Assistant Personnel Officer officiating Administrative Officer-I to officiate as Administrative Officer II in this Research Centre for the period from 14-6-1976 to 13-8-1976.

The 24th November 1976

No. 5/1/76/Est.II/3610.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Girdharilal Shrivastava, a permanent UDC and officiating Assistant to officiate as Assistant Personnel Officer in this Research Centre for the period from 14-9-1976 to 14-10-1976 vice Shri A. N. Katti, Assistant Personnel Officer granted leave.

No. 5/1/76/Est.II/3611.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints Shri Basavantayya Shivalingayya Huligerimath, Assistant Security Officer, PREFRE Project, Tarapur to officiate as Security Officer in this Research Centre for the period from 21-6-1976 to 30-8-1976 vice Shri A. S. Thomas, Security Officer granted leave.

R. V. BAJPAI, Dy. Establishment Officer.

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400 001, the 17th February 1977

No. DPS/A/32011/2/75/Est/2546.—Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Vinayak Krishna Potdar, a temporary Assistant Accounts Officer of this Directorate to officiate as Accounts Officer-II on an ad hoc basis in the scale of pay of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200 in the same Directorate with effect from May 11, 1976 to June 11, 1976 vice Shri M. H. Narwani, Accounts Officer-II granted leave.

B. G. KULKARNI, for Adm. Officer.

NARORA ATOMIC POWER PROJECT

Narora, the 18th February 1977

No. NAPP/Adm.4(40)/76-S./1714.—In continuation of this Project's notification of even No. dated December 6, 1976 regarding temporary officiating appointment of Shri Vijay Pal Singh an Olig. Assistant Security Officer as Security Officer in the leave vacancy, the Director, Power Projects Engineering Division hereby appoints Shri V. P. Singh as Security Officer in the same Division in a temporary capacity w.e.f. the forenoon of 11th December, 1976 to 28th February, 1977 in the leave vacancy of Shri P. S. Gheverghese, Security Officer, NAPP.

G. G. KULKARNI, Sr. Adm. Officer.

MADRAS ATOMIC POWER PROJECT

Kalpakkam-603 102, the 18th February 1977

No. 18(63)/76-Rectt.—Director, Power Projects Engineering Division appoints S/Shri N. Krishnamurthy and B. R. Kubendran, temporary, Supervisors (Electrical) as Scientific Officers/Engineer Grade 'SB' in this Project in a temporary capacity with effect from the forenoon of February 1, 1977 until further orders.

The 19th February 1977

No. 18(63)/76-Rectt.—Director, Power Projects Engineering Division, appoints Shri C. J. Joseph, temporary Scientific Assistant 'C' as Scientific Officer/Engineer Grade SB in this Project in a temporary capacity with effect from the forenoon of February 1, 1977 until further orders.

K. BALAKRISHNAN, Adm. Officer.

POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, the 19th February 1977

No. PPED/3(282)/76-Adm./2065.—Director Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri V. R. Kulkarni, Section Officer in the Office of the Financial Adviser & Chief Accounts Officer, Central Railway, Bombay on deputation basis in this Division, as Assistant Accounts Officer, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 with effect from the forenoon of February 3, 1977 until further orders.

B. V. THATTE, Adm. Officer.

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 1st February 1977

No. F(1)03985.—On attaining the age of superannuation, Shri M. C. Menon officiating Assistant Meteorologist, Headquarters Office, office of the Director General of Observa-

atories, New Delhi, India Meteorological Department, retired from Govt. service with effect from the afternoon of 31st December, 1976.

M. R. N. MANIAN, Meteorologist
for Director General of Observatories

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 1st March 1977

No. 1-315/77-EST.—Shri M. V. Rao, Technical Assistant, Bombay Branch is appointed as Assistant Engineer in an officiating capacity in the same Branch with effect from the forenoon of the 17th February, 1977 and until further orders.

P. G. DAMLE, Director General.

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi, the 5th February 1977

No. A-19012/390/73-Adm.V.—Consequent on his proceeding on deputation with the Narmada Water Disputes Tribunal New Delhi, Shri V. P. Shiv, relinquished the charge of the post of EAD in the Central Water Commission on the afternoon of 31-12-76.

The 13th February 1977

No. A-12017/3/76-Adm.V.—In continuation of this Commission Notification No. A-12017/3/76-Adm.V dated 24th August, 1976, the Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri Ch. Bhujanga Rao to the post of Assistant Research Officer (Engineering) in the Central Water & Power Research Station, Pune, in the pay scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-40-1000-EB-40-1200 on purely temporary and *ad hoc* basis for a further period of two months i.e. upto 28/2/1977 or till the post is filled on a regular basis whichever is earlier.

The 1st March 1977

No. A-12017/4/76-Adm.V.—In continuation of this Commission's Notification No. A-12017/4/76-Adm.V dated 9th December, 1976, the Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri T. P. Yegnan, to officiate in the grade of Assistant Research Officer (Scientific-Mathematics Group) in the Central Water and Power Research Station, Pune, in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-880-40-1000-EB-40-1200 on a purely temporary and *ad hoc* basis upto 5th January, 1977.

The 5th March 1977

No. A-19012/226/70-Adm.V.—Consequent upon his attaining the age of superannuation on 30-9-1976, Shri G. Bhanja Deo relinquished the charge of the office of the Assistant Engineer, Eastern Gauging Sub-Division, Raipur under Central Discharge Circle, Hyderabad on the afternoon of 2-6-1976 and proceeded on Leave Preparatory to Retirement from 3-6-1976 to 30-9-76, sanctioned vide Superintending Engineer, Central Discharge Circle Hyderabad Office Order No. CDC/A-19012/10/72-Admn/2607-14 dated 19.5.76.

No. A-19012/425/73-Adm.V.—In accordance with the provisions contained in FR 56(k), the Chairman, Central Water Commission hereby permits Shri L. B. Bhide, a permanent Research Assistant and officiating as Assistant Research Officer (Engineering) Central Water and Power Research Station, Pune, to retire voluntarily from service from the forenoon of the 26th June, 1974.

No. A-19012/588/76-Adm.V.—The Chairman, Central Water Commission is pleased to appoint Shri B. Sattiraju,

Supervisor as Assistant Engineer in the Central Water Commission, on a purely temporary and ad-hoc basis in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from 17-12-76 for until further orders.

Shri B. Sattiraju assumed charge of the office of the Assistant Engineer, Drought Area Study Sub-Division, Jaipur under Drought Area Study Circle, New Delhi with effect from the above date and time.

No. A 19012/593/76-Adm.V.—The Chairman, Central Water Commission is pleased to appoint Shri K. Sathesan, Supervisor as Assistant Engineer in the Central Water Commission, on a purely temporary and ad-hoc basis in the Scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from 23-8-76 (F.N.) until further orders.

Shri K. Sathesan assumed charge of the office of the Assistant Engineer, Jabalpur Gauging Sub-Division, Jabalpur under Investigation Circle No. I, Faridabad with effect from the above date and time.

JASWANT SINGH, Under Secy.
for Chairman.

OFFICE OF THE ENGINEER-IN-CHIEF CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the November 1976

No. 27-E/S(II)/71-ECII.—The President is pleased to accept the resignation from service tendered by Shri M. L. Senu, an Executive Engineer in the Office of the Engineer-in-Chief, Central P.W.D., New Delhi with immediate effect.

P. S. PARWANI, Dy. Director of Adm.
for Engineer-in-Chief.

NORTH-EAST FRONTIER RAILWAY

Pandu, the 28th February 1977

No. E/55/III/96 PII(O).—Shri Sukhbir Singh who was appointed as a Probationer in the Electrical Engineering Department is confirmed as Assistant Electrical Engineer in the Junior Scale with effect from 18-11-75.

G. H. KESHANI, General Manager.

MINISTRY OF SUPPLY & REHABILITATION

(DEPARTMENT OF SUPPLY)

NATIONAL TEST HOUSE

Calcutta-27, the 2nd March 1977

No. G-65/B(CON).—The Director, National Test House, Alipore, Calcutta is pleased to appoint on the recommendation of the Union Public Service Commission Shri Purna Chandra Pradhan as Scientific Officer (Electrical) in the National Test House, Calcutta w.e.f. the 15th December, 1976, until further orders.

A. K. MAJUMDAR, Dy. Director (Admn.)
for Director, National Test House.

DEPARTMENT OF REHABILITATION

REHABILITATION RECLAMATION ORGANISATION

Coypore, the 1st March 1977

No. P.3.1.6989P.—In continuation of this office notification No. P.3/1 dated 14-10-76, the officiating appointment of Shri A. Gopala Rao made on ad hoc basis in the post of Assistant Engineer (Group B) in the scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 in the Rehabilitation Reclamation Organisation posted in the Drilling Sub Division at G. Udaigiri, District Phulbani (Orissa) is extended for a

further period of 6 months with effect from the Forenoon of 1-3-1977 or till the post is filled on regular basis whichever is earlier.

M. PATTANAİK, Lt. Col. (Retd).
Chief Mechanical Engineer.

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)
COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

Gwalior-474001, the 1st March 1977

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of the
Jai Hind Publishing Company Limited*

No. 286/7205.—Notice is hereby given pursuant to sub-section 5 Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of THE JAI HIND PUBLISHING COMPANY LIMITED, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

JAS RAJ BOHRA, Registrar of Companies,
Madhya Pradesh.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of Bakshi
Club Limited, 1824, Soni Bhawan, Sonthaliwala-ka-
Rasta, Chora Rasta, Jaipur*

Jaipur, the 28th February 1977

No. Stat/1420.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Bakshi Club Ltd, has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

R. D. KUREEL, Registrar of Companies,
Rajasthan.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of Amrit
Bank Limited*

Jullundur, the 4th March 1977

No. G/Stat/2103.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Amrit Bank Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. P. TAYAL, Registrar of Companies,
Pb., H.P. & Chandigarh.

OFFICE OF THE COMMISSIONER OF INCOME-TAX

New Delhi, the 1st March 1977

INCOME-TAX

No. G/Stat/2103.—Notice is hereby given pursuant to conferred by sub-section (1) of section 124 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) and of all other powers enabling him in this behalf the Commissioner of Income-tax Delhi-II, New Delhi, hereby directs that the following Income-tax Circles shall stand abolished w.e.f. 1-3-77.

1. Special Grade I & I (Addl.) New Delhi.
2. Special Circle II, New Delhi.
3. Special Circle II (Addl.), New Delhi.
4. Special Circle VII, New Delhi.

JAGDISH CHAND, Commissioner of
Income tax,
Delhi-II, New Delhi.

FORM ITNS—

(1) Shri Ram Chander Jain s/o Shri Man Singh Jain
r/o 1/11 Jaidev Park, Rohtak Road Delhi.
(Transferor)

(2) Shri Surinder Kumar Jain s/o Sh. Jyoti Prasad Jain
r/o Plot No. 47 House No. 5746 Basti Harphool
Singh Sadar Thana Road, Delhi.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI-110001

New Delhi-110001, the March 1977

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. IAC/Acq.II/1239/76-77.—Whereas I, M. S. GOELA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 53 situated at Ashoka Parak Extn. New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in August, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A single storied house constructed on a plot of land measuring 199 sq. meters (220 sq. yds) situated in the colony known as Ashoka Park Extension, Delhi and bounded as under :—

East : Primary School and property of others.
West : Road 60 ft.
South : Kothi No. 54 of Sh. H. K. Saxena.
North : Kothi No. 52 of Sh. Kailash Chand.

M. S. GOELA.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : March, 1977
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Ahmad Jamal s/o Shri Mohammad Mohsin
r/o 523 Churiwalan, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ram Saran Kathuria s/o Shri Hari Chand
Kathuria r/o L-105 Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI-110001

New Delhi-1. the March 1977

Ref. No. IAC/Acq. II/1240/76-77.—Whereas, L. M. S. GOELA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 69/6A situated at Najafgarh Road, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in September, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot of land measuring 280 sq. yds bearing Plot No. 69/6A situated at Najafgarh Road New Delhi with structure built thereon and bounded as under :—

North : Road 30'wide.
South : Others property.
East : Other property.
West : Property of Hind Rubber Works.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

M. S. GOELA,
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : March, 1977
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Nafis Jamal s/o Sh. Mohmad Mohsin r/o
523 Churiwala, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Ram Saran Kathuria s/o Shri Hari Chand
Kathuria r/o L-105 Kirti Nagar, New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI-110001

New Delhi-110001, the March 1977

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC/Acq.II/1241/76-77.—Whereas I, M. S. GOELA,
being the Competent Authority
under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the said Act) have reason to be-
lieve that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 69/NA situated at Najafgarh Road, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
Delhi in September, 1976
for an apparent consideration which is less than the fair market
value of the aforesaid property and I have reason to believe
that the fair market value of the property as aforesaid exceeds
the apparent consideration therefore by more than fifteen per
cent of such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not been
truly stated in the said instrument of transfer with the object
of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—
8—516G1/76

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the 'said Act',
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 280 sq. yds bearing Plot No. 69/6A
situated at Najafgarh Road, New Delhi with the structure
built XX thereon and bounded as under :—

North : Road 30' wide.
South : Others Property.
East : Property of M/s Hind Rubber works.
West : Others property.

M. S. GOELA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : March, 1977

Seal :

FORM ITNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE
ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAF ALI ROAD
NEW DELHI-110001

New Delhi-110001, the March 1977

Ref No. IAC/Acq.II/1242/76-77.—Whereas I, M. S. GOELA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 28/54 situated at West Patel Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi in November, 1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property for the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269 of the said Act, to the following persons, namely:

(1) Shri Darshan Lal s/o Haveli Ram r/o 28/54 West Patel Nagar, New Delhi special attorney of Sh. Nanak Chand s/o Sh. Mathura Dass r/o West Patel Nagar, N. Delhi.

(Transferee)

(2) Smt. Krishna Wuti w/o Sh. Darshan Lal r/o 28/54 West Patel Nagar, New Delhi.

(Transferor)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Govt. built quarter No. 54 in Block No. 28 constructed on a plot of land measuring 100 sq. yds situated at West Patel Nagar, New Delhi and bounded as under :—

North : Road
South : Lane
East : Qr. No. 28/53
West : Qr. No. 28/52

M. S. GOELA.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : March, 1977
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Tirath Raj s/o Sh. Chandrika Rai & 2. Sh. Dasrath Rai s/o Sh. Vishwa Nath Rai r/o C-2 Bali Nagar, N. Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Mahesh Kumar s/o Sh. Shankar Dass r/o M-40 Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, 4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI-110001

New Delhi-110001, the March 1977

Ref. No. IAC/ACQ.II/1243/76-77.—Whereas, I, M. S. GOEYA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. F-14 situated at Bali Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in November, 1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Free-hold plot of land bearing plot No. 14 in Block No. F measuring 200 sq. yds situated in the colony known as Bali Nagar, New Delhi. The plot is bounded as under:—
North : Service lane
South : Road
East : Plot No. F-13
West : Plot No. F-15

M. S. GOELA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : March, 1977
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Chet Ram s/o Sri Pyare Lal R/o Kala Teh.
Chatta Distt. Mathura.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Balwant Singh s/o Nawal Singh R/o Qr. 290.
(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 4th March 1977

Ref. No. Acq/326-A/Chatta/76-77.—Whereas J. L. N. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at CHATTA on 10-6-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting agriculture land measuring 7.96 acre situated at Bethan Kalan, Teh Chatta, Distt Mathura, transferred for an apparent consideration for Rs. 44,000/-.

L. N. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 4.3.1977
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Badan Singh s/o Sri Ram Chandra r/o Ajahari Parg Hasangarh Dasana Gonda Teh Iglas Distt Aligarh.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 4th March 1977

(2) Shri Jagdish 2. Luxman Pd. sons of Shiv Charan Lal 3. Sri Ram Jas s/o Nihal Singh 4. Smt. Ganna Devi w/o Sri Ram Jas all r/o Ajahari Parg Hasangarh Teh Iglas Distt Aligarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Ref. No. Acq/393-A/Iglas/76-77/529.—Whereas I, L. N. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at IGLAS on 2.8.1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Immovable property consisting agriculture land measuring 30-15-0 Biswansi situated at Village Ajahari Parg Hasangarh Teh Iglas Distt Aligarh, transferred for an apparent consideration for Rs. 108900/-.

L. N. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 4.3.1977

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shrimati Anis Fatima w/o Kunwar Kub Hamid
Khan r/o Khurshid Manzil Mandi Baghpat Distt
Meerut.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 5th March 1977

Ref. No. F. Acq/339/Baghpat/76-77/547.—Whereas, I,
L. N. GUPTA,
being the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter refer-
red to as the 'said Act'), have reason to believe that the im-
movable property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
As per schedule situated at As per schedule
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto), has been transferred under
the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at Baghpat on 22-6-76
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor
by more than fifteen per cent of such apparent considera-
tion and that the consideration for such transfer as agreed
to between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer; and/
or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian Income-tax
Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-
tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition
of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(2) 1. Shrimati Khalil Ahmed (Mazor).
2. Sri Jamil Ahmed Self (Brother) R/o Village
Niwara Parg Kotana Distt Meerut.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice in
the Official Gazette or a period of 30 days from the
service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein
as are defined in Chapter XXA of the
said Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property One Plot measuring 714.26 sq. yds (4
part) situated at Mahduda Jail mauza Mandi Baghpat, Distt
Meerut, transferred for apparent consideration for Rs.
21,500/-.

L. N. GUPTA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 5.3.1977

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Anis Fatima w/o Kunwar Kokub Hamid Khan
r/o Khurshid Manzil Mandi Baghpat Distt Meerut.
(Transferor)

(2) Shri Om Singh s/o Shiv Ram r/o Mandi Baghpat
Distt Meerut.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 5th March 1977

Ref. No. F. Acq/340/-Baghpat/76-77/548.—Whereas, I,
L. N. GUPTA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

As per schedule situated at As per schedule
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Baghpat on 22-6-76

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property One Plot measuring 714.26 sq. yds (+
part) situated at Mahduda Jail mauza Mandi Baghpat Distt
Meerut, transferred for an apparent consideration for
Rs. 21,500/-.

L. N. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date 5.3.1977

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Sugra Khatoon

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Mohd. Nascir

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Seller

(Person in occupation of the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOWObjections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Lucknow, the 1st March 1977

Ref. No. 23-N/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 203 situated at Moh. Nabiullah Road, Thana Wazir Ganj, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 17-7-76 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

A house No. 203 situated at Moh. Arya Nagar, Lucknow.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. S. BISEN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-3-77

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Raihana Khatoon, Ifafat Jahan, Irsad Umar, Salamunnisa. Muzida Khatoon Sujaat Umar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Magbool Ahmad, Nafisul Hasan, Shamunnisa Muscer Alam Sabira Khatoon.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Seller

[Person in occupation of the property]

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Lucknow, the 1st March 1977

Ref. No. 91-M/Acquisition.—Whereas I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 286/71 situated at Moh. Niyaz Khara, Aishbagh, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 15-7-76

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

9—516 GI/76

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house No. 286/71 measuring 9662 sq. ft. situated at Moh. NIYAZ KHERA, Aishbagh, Lucknow.

A. S. BISEN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 1-3-77

Seal

FORM ITNS—

(1) Smt. Gurbir Kaur Bindra

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Raj Rani Sarna

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Seller

[person in occupation of the property]

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOWObjections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Lucknow, the 1st March 1977

Ref. No. 114-R/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. B-12'H situated at Mahanagar Extension Scheme, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 21-8-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A plot No. B-12'H situated at Mahanagar Extension Scheme, Lucknow.

A. S. BISEN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-3-77

Seal :

FORM ITNS ———

(1) Shri Kunwar Mahesh Chandra Kunwar Raghav Chandra

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Santl Saran, Hari Shanker, Nand Kishore
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Shri Kunwar Mahesh Chandra
(Person in occupation of the property)OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Lucknow, the 1st March 1977

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 145-S/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

A house situated at Mohalla Mohtashim Khan Distt. Pilibhit (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pilibhit on 22-7-76

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A house situated at Moh. Mohatsin Khan Distt. Pilibhit.

A. S. BISEN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-3-77

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Surjeet Kaur

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Raj Kumari

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) Seller

(Person in occupation of the property)

(4) None

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Lucknow, the 10th March 1977

Ref. No. 116-R/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 554-K/2-D situated at Moh. Arjun Nagar, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 15-7-76

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house No. 554-K/43 measuring 56'x30' situated at Moh. Arjun Nagar, Lucknow.

A. S. BISEN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 10-3-77.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Hastimal Jain, R/o 17, M. G. Road, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Aror Wanshi Samaj, office at Savera Lodge,
Chhoti Gwal Toli, Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Bhopal, the 7th March 1977

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/807/76-77.—Whereas, I, V. K.
SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. Plot of land being a part of 17, M. G. Road, Indore
and situated at North Mandir Road, South Tukoganj, Indore
(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of
the Registering Officer at
Indore on 29-7-1976

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under the said
Act, in respect of any income arising from the
transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot of land being a part of 17, M.G. Road, Indore and
situated at North Mandir Road, South Tukoganj, Indore.

V. K. SINHA.

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition
of the aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the fol-
lowing persons, namely :—

Date : 7th March, 1977.

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. B. K. Industries, 1/8, Maharani Road,
Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) M/s. Goenka Offset printing Press, 25-A, Industrial
Estate, Lakshmibai Nagar, Indore

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE
BHOPALObjections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Bhopal, the 7th March 1977

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/808.—Whereas, I, V. K. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that
the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearingNo. The property of M/s. Goenka Offset Printings Pvt. Ltd.,
situated at 25-A, Industrial Area, Lakshmibai Nagar, Indore
situated at Indore(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has
been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Indore on 29-7-1976for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the date of
the publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moncys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

The Property of M/s Goenka Offset Printings Pvt. Ltd.,
situated at 25-A, Industrial Area, Lakshmibai Nagar, Indore.V. K. SINHA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
ing persons, namely :—

Date : 7th March, 1977.

Seal :

FORM ITNS-----

(1) Shri A. R. Jacob S/o Shri J. R. Shallom,
R/o 117, Ravindra Nagar, Indore

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE BHOPAL

Bhopal, the 7th March 1977

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/809. --Whereas, I, V. K. SINHA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Property situated at House No. 117, Ravindra Nagar, Indore situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 29-7-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :--

- (2) (i) Shri Harbhajan Singh S/o Shri Vazir Singh Sethi
(ii) Smt. Santosh Kaur W/o Shri Vazir Singh Sethi, Both R/o 61/5, Manerama Ganj, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the application of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :--The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property situated at House No. 117, Ravindra Nagar, Indore.

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 7th March, 1977.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTY. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE BHOPAL

Bhopal, the 7th March 1977

Ret. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/810.—Whereas, I. V. R. SINHA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 8, Maharani Road, Indore
situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 1-7-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Haider Hussain S/o Shri Abdul Hussain,
R/o Gali No. 1, House No. 3, Siyaganj Indore,
(Transferor)

(2) Shri Bhinandas S/o Shri Nevandramji R/o 17,
Jawahar Marg, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 8, Maharani Road, Indore.

V. K. SINHA,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 7th March, 1977.

Seal :

FORM ITNS—

- (1) (i) Shri Bhagwandas S/o Shri Gurudasmal
(ii) Shri Balkishan Sindhi S/o Nenamal, Both R/o Jawahar Nagar, Ward, Raipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

- (2) (i) Shri Kanhaiyalal,
(ii) Shri Laxmandas,
(iii) Shri Jairamdas &
(iv) Shri Nandlal All R/o Handipara, Raipur.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Bhopal, the 7th March 1977

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/76-77/811.—Whereas, I, V. K. SINHA,

(hereinafter referred to as in the said Act)

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 26.13 acres of land in Sarona, Circle Raipur, Tah. & Distt. Raipur.

situated at Sarona, Raipur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Raipur on 3-7-1976

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

26.13 acres of land in Sarona, Circle Raipur, Tah. & Distt. Raipur.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

V. K. SINHA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

10—516GI/76

Date : 7th March, 1977.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-V,

SMT. KGMP, AYURVEDICK HOSPITAL BLDG
5TH FLOOR, NETAJI SUBHASH ROAD, BOMBAY

Bombay-400 002, the 9th March 1977

Ref. No. AR/V/702/76-77.—Whereas, I, Shri R. G. NERURKAR, 5, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 568B of Suburban Scheme III, situated at Chembur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 17-7-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Vimla Maneklal Damania Behind Wilson College, 37, Chowpatty Rd., Bombay-400007.

(Transferor)

(2) Golf Links Co-op. Hsg. Soc. Ltd. Gulab Baug, Vadhavli Rd., Chembur, Bombay-71.

(Transferee)

GOIF-LINKS CO-OPERATIVE HOUSING SOCIETY
LTD. CHEMBUR, BOMBAY-71.

S. No. Name of the Owner Member

1. Shree T. N. Subramaniam & Smt. Gangabai Subramaniam (wife).
2. Shree M. Guruswamy (Original first Mrs. V. R. Indira Gopalan).
3. Mrs. Indumati V. Hedge.
4. Mrs. Mangalore Sushilabai.
5. Mrs. Nirmala, M. Sanghani.
6. Mrs. Usha Manohar Bapat.
7. Mrs. Jayam Narayan.
8. Mrs. Mina Arvind Wagh.
9. Shree Ankoor N. Mulay.
10. Dr. P. Yashwanath Shetty.
11. Mrs. Mohinder N. Baxi.
12. Mrs. Balbir Kaur Bhurlee.
13. Dr. (Mrs) Usha, A. Desai.
14. Dr. (Mrs) Usha, A. Desai.
15. Mrs. Felicity D'Costa.
16. Shree Antony S. Dennis.
17. Dr. Kishore H. Mehta & Mrs. Tarla, K. Mehta.
18. Mrs. Gopa Bipin Shalla.
19. Shree Rajpal Puri,

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that vacant piece of land or ground containing by admeasurement 5314 sq. yds. or thereabouts or 4443.19 square metres or thereabouts being a part of Original Plot No. 569 and bearing Plot No. 569B of Suburban Scheme No. III of Chembur in the Registration Sub-District and District of Bombay City and Bombay Suburban and now in Greater Bombay and bounded as follows :—that is to say, on or towards the North by the land being Part of Plot No. 569 of Bombay Suburban Scheme No. III Chembur, on or towards the South by Plot No. 565 Suburban Scheme No. III of Chembur, on or towards the East by a public road called Central Avenue and on or towards the West by the property of M. B. Lukmani.

R. G. NERURKAR,

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-V, Bombay.

Date : 9-3-1977.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Archanam Padmavathamma, W/o late Sri A. Seshachalm Dikshithulu, H. No. 130-A Sreeramulu Street, Thirupathi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) S/Shri 1. K. Raghuram, 2. K. Balakrishna, 3. K. Bhagwantha, 4. K. Rameshchandra, 5. K. Chandra-sekhar, all residing at 338 at Kota Street, Thirupathi, Chittoor, Dist.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Hyderabad, the 7th March 1977

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

Ref. No. RAC. No. 229/76-77.—Whereas, I K. S. VENKATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

No. S. No. 460 situated at Tirupathi Town Thirupathi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Thirupathi on 15-7-76

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land bearing survey No. 460 situated in the heart of Thirupathi town Kapilthirham Road, consisting of 81-½ cents registered vide Document No. 1735/76 in the office of the Sub-Registrar Thirupathi.

Bounded :

East : Road leading to Kapilthirham

South : House. Nos. 15-1-499 to 485 belonging to Khambampati Subrahmayya Sastry and others.

North : Land belonging to Archanam Srinivasa Narasimha Dikshithulu,

West : Vacant site of Ramakrishnaiah & others.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys of other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 7-3-1977.

Sent :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 7th March 1977

Ref. No. RAC No. 230/76-30.—Whereas, I, K. S. VENKATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 7-1-741 & 7-1-757 situated at Market Street, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 31-7-76 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Prahlad Chanda, 2. Pentiah Chanda, both residing at H. No. 4-4-144 Mahankali Street, Secunderabad, 3. Sri Vasudev Chanda, S/o Pentiah Chandra R/o "MEHUL" Master Society Rajkot-2, Gujarat State G.P.A. Sri Pentiah Chanda S. No. 2. 4. Sri Dusyant Chanda, S/o Pentiah Chanda, R/o Jyothi Niwas, Lalithanagar, Vishakapatnam, G.P.A. Sri Pentiah Chanda, S. No. 2.

(Transferor)

- (2) Master Jagdish S/o Udhowdas, minor represented by his father Udhowdas, H.No. 2-3-93 at Ramgopalpet, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storied House bearing Nos. 7-1-741 to 757 (Old Municipal No. 3925) situated at Market Street. (Subhash Road) Secunderabad sold under document No. 861/76 registered in the Office of the Sub-Registrar, Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Hyderabad.

Date : 7-3-1977.

Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri S. Balakrishnan, S/o Subbaraya Mudaliar,
"Kanaga Villa", Hasthampatty, Salem.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Smt. Sumitra, W/o Murugan, No. 565, K. K.
Nagar, Madurai.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 4th March 1977

Ref. No. 65/JULY/76-77.—Whereas, I G. RAMANATHAN being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. T. S. 49/2, situated at 'B' Ward, Block 8, Salem (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Salem (Doc. No. 2118/76) on JULY, 1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) on the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Vacant land measuring 14,000 sq. ft. in T.S. No. 49/2, Block 8, 'B' Ward, Hasthampatty village, Salem.

G. RAMANATHAN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 4-3-1977.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 4th March 1977

Ref. No. 67/JULY/76-77.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. T. S. No. 3, situated at Block No. 38, 'B' Ward, Komarasamipatti village, Salem (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Salem (Doc. No. 2035/76) on 5-7-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Thayammal,
W/o Murugesu Padayachi;
2. Smt. Palaniammal,
W/o S. P. Krishnamurthi,
Arasamaram Pilliar Koil Street,
Salem.

(Transferor)

- (2) Shri Ayee Goundar,
S/o Kumara Goundar,
Ayyanar Koil Kattu Valavu,
Komarasamipatti village,
Salem.

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 1 acre in T. S. No. 34, Block No. 38, 'B' Ward, Komarasamipatti village, Salem (with one well).

G. RAMANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-6.

Date : 4-3-1977.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

Madras-6, the 4th March 1977

Ref. No. 68/JULY/76-77.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing T. S. Nos. 34 & 35, situated at Komarasamipatti village, Salem (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Salem (Doc. No. 2036/76) on 5-7-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Thayammal,
W/o Murugesu Padayachi,
2. Smt. Palaniammal,
W/o S. B. Krishnamurthy,
Arasamaram Pilliar Koil Street,
Salem.

(Transferor)

- (2) Shri Rangasamy Goundar,
S/o Ayee Goundar,
Ayyanar Kattuvalavu,
Komarasamipatti village,
Salem.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 51 cents in T.S. Nos. 34 (41 cents) and 35 (10 cents), Block No. 38, 'B' Ward, Komarasamipatti village, Salem (with one well, pumpset and farmhouse).

G. RAMANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Madras-6.

Date : 4-3-1977.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, MADRAS-6

MADRAS-6, the 5th March 1977

Ref. No. 30/JULY/76-77.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. 2570-C, situated at Nagercoil-Asaripallam Road, Nagercoil (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagercoil (Doc. No. 2304/76) on 1-7-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

(1) Smt. Annamma Joseph,
W/o Capt. T. K. Joseph,
15, Saket, 82-B, Saraswathi Road,
Santha Cruz (West) Bombay by power of
Attorney Agent Smt. D. Cherian,
Nesamony Nagar, Nagercoil.

(Transferor)

(2) Shri Chandra Singh,
S/o Yesudhas,
"Singh Bhavanam",
West Kalungadi,
Putheri, Vadasery village,
Kanyakumari district.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land measuring 49 cents in Sur. No. 2570-C, Nagercoil-Asaripallam Road, Nagercoil.

G. RAMANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
MADRAS-6.

Date : 5-3-1977.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Ilayichi Amma.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Sri George, So. Varkey;
2. Smt. Leelamma George.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
MAREENA BUILDINGS, M. G. ROAD, ERNAKULAM

Cochin-6820 16, the 2nd March 1977

Ref. L.C. No. 123/76-77.—Whereas, I, S. N. CHANDRACHOODAN NAIR,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule, situated at Thiruvalla (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Thiruvalla on 13-7-76.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

1 acre 50 cents of land with buildings in Sy. No. 33/3A in Thiruvalla Village.

S. N. CHANDRACHOODAN NAIR

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ernakulam.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

11—516GI/76

Date : 2-3-1977.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
MAREENA BUILDINGS, M. G. ROAD, ERNAKULAM

Cochin-682016, the 2nd March 1977

Ref. L.C. No. 124/76-77.—Whereas, I, S. N. CHANDRACHOODAN NAIR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. as per schedule, situated at Thodupuzha Village (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Thodupuzha on 3-7-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) 1. Smt. Pathukunjammal; 2. Kunji Aishammal; 3. Nabeesammal; 4. Kunjumol; 5. Rukiammal, Ds/o Hameed; 6. Muhammed for Rumla; 7. Meenikutty Ummal, W/o Hameed, Vakamattath Cerna Thodupuzhacheri, Thodupuzha village, Idikki Dist. (Transferor)

(2) 1. Hassan; 2. Kunjuthampy; 3. Parced; 4. Ibrahim; 5. Azec; 6. Rasheed by guardian Azec; 7. Sulaiman; 8. Jaini Ummal, W/o Hameed, Vakamattath cheria Thodupuzha Muri, Thodupuzha village, Idikki District. (Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

60 cents 232 Sq. links of land with buildings in Thodupuzha village Sy. No. 266/10/1, 4, 272/12, 266/10/3-107/160 share. 8 cents of land in Alakode village Sy 1010/1AB/56—vide schedule to document No. 1108/76 dt. 3-8-76.

S. N. CHANDRACHOODAN NAIR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Date : 2-3-1977.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Thakur Manghu Ram S/o Thakur Asa Ram
R/o Chandi Road, Mayapur, Hardwar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Sanyasi Sadanand Mayee, President Mahila
Milan Mandir, Ahmedabad.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KANPUR(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

Kanpur, the 14th March 1977

(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. Acq/395/Hardwar/76-77/583.—Whereas, I, L. N. Gupta, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Hardwar on 30-6-1976, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of
the said Act, shall have the same meaning
as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

Immovable property measuring 10,000 sq. ft. situated at
Mayapur, Hardwar, transferred for an apparent considera-
tion for Rs. 95,000/-.

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957);

L. N. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 14-3-1977
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 21st March 1977

Ref. F. No. Acq./394/Budhana/76-77/623.—Whereas, L. N. GUPTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as in the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Budhana, on 25-6-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Relu Mal s/o Sri Kanhaya Lal
r/o Jolla Parg & Teh. Budhana,
Distt. Muzaffarnagar,

(Transferor)

(2) Shri Swadesh Kumar Jain s/o
Bhagwan Dass Jain,
r/o Jolla Parg Budhana,
Distt. Muzaffarnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting agriculture land (1 share including construction named Goel Cane Crusher, Jolla Parg Budhana Distt Muzaffarnagar, transferred for an apparent consideration for Rs. 48,000/-.

L. N. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 21-3-1977
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shrimati Ram Beti widow Sri Jai Pal Singh,
Village Gadikalyan Dasana Okhara,
Teh. Firojabad, Distt. Agra.

(Transferor)

(2) 1. Shri Bipendra Pal Singh s/o
Sri Ram Singh.
2. Sri Ravendra Pal Singh,
3. Sri Gavendra Pal Singh
sons of Sri Khushi Pal Singh.
all r/o Village Gadikalyan Dasana Okhara.
Teh. Firojabad, Distt. Agra.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 21st March 1977

Ref. F. No. Acq./456/Firojabad/76-77/624.—Whereas, I,
L. N. GUPTA
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
As per schedule
situated at As per schedule
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Firojabad on 21-6-1976
for an apparent consideration which is
less than the fair market value of the aforesaid property and
I have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent con-
sideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in
the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons which-
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the date
of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-
tax Act, 1957 (27 of 1957);

Immovable property consisting agricultural lands Khata
No. 5 measuring 13 Rakba 32 bigha 10 bishwa, situated at
village Gadikalyan Dasana Okhara, Teh. Firojabad, Distt.
Agra, transferred for an apparent consideration for Rs.
40,000/-.

L. N. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 21-3-1977
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 21st March 1977

Ref. F. No. Acq/422/Roorkee/76-77/625.—Whereas, 1. L. N. GUPTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Roorkee on 28-6-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Bishambari w/o Jodha Singh
Caste Guzar,
r/o Village Bijhauri Parg Roorkee,
Distt. Saharanpur.

(Transferor)

(2) 1. Shri Noor Mohd.
2. Shri Khalil Ahmed sons of Hussan Bux,
3. Shri Abdul Rehman s/o Abdula
r/o Village Bijhauri Dandhera Parg &
Teh Roorkee,
Distt. Saharanpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter;

THE SCHEDULE

Immovable property consisting Agricultural lands (1 part) measuring 9 bigha 9 bishwa and 10 biswansi situated village Bijhauri Parg Roorkee, Distt Saharanpur, transferred for an apparent consideration for Rs. 40,000/-.

L. N. GUPTA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date : 21-3-1977

Seal:

FORM ITNS—

(1) Shri Chatra Pal s/o Sri Sita Ram
r/o Langhan Ghar Unnao.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 21st March 1977

Ref. F. No. Acq/433/Unnao/76-77/626.—Whereas, I, L. N. GUPTA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. As per schedule situated at As per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Unnao on 25-6-1976 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent for such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (2) 1. Shri Kaloo,
2. Sri Ahshan Ahmed,
3. Mohd Yusuf alias Mulla sons Nanhoo,
4. Smt. Shabha w/o Sri Puttan
all r/o Gadiyana City Unnao.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Immovable property No. 1046 consisting agricultural land situated Unnao outer Nagar Mahapalika Parg. Teh. & Distt. Unnao transferred for an apparent consideration for Rs. 20,000/-.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

L. N. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Date : 21-3-1977

Scal :

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

NOTICE

LIMITED DEPARTMENTAL COMPETITIVE EXAMINATION (1977) FOR PROMOTION TO THE GRADE OF ASSISTANT ENGINEER (C.P.W.D.)

New Delhi, the 26th March, 1977

No. F.2/18/76-EI(B).—A limited departmental competitive examination for promotion of Junior Engineers (Civil/Electrical) to the Assistant Engineers' Grade (Civil/Electrical) in the Central P.W.D. will be held by the Union Public Service Commission on 26th July, 1977 at BOMBAY, CALCUTTA, DELHI, DISPUR (GAUHATI), MADRAS and NAGPUR in accordance with the Rules published by the Central Public Works Department (Ministry of Works & Housing) in the Gazette of India, dated 26th March, 1977.

THE CENTRES AND THE DATE OF THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See Annexure, Para 8).

2. The approximate number of vacancies to be filled on the results of the examination is as follows :—

(i) Assistant Engineer (Civil)—150.*

(ii) Assistant Engineer (Electrical)—50.*

The above numbers are liable to alteration.

*The number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes, if any, will be determined by Government.

N.B.—Candidates should indicate clearly in their applications the Grade, i.e. Assistant Engineer (Civil) or Assistant Engineer (Electrical) for which they wish to compete.

3. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on the prescribed form of application. The prescribed form of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Rs. 2.00 which should be remitted to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, by Money Order or by Indian Postal Order payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office. Cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Orders/Postal Orders. The forms can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's office. This amount of Rs. 2.00 will in no case be refunded.

NOTE 1—REQUESTS FOR SUPPLY OF APPLICATION FORMS AND FULL PARTICULARS OF THE EXAMINATION BY POST MUST REACH THE OFFICE OF THE COMMISSION BEFORE 2ND MAY, 1977. HOWEVER THE FORMS MAY BE HAD PERSONALLY FROM THE COUNTER IN THE OFFICE OF THE COMMISSION UP TO 9TH MAY, 1977.

NOTE 2—Candidates are warned that they must submit their applications on the printed form prescribed for the Limited Departmental Competitive Examination (1977) for promotion to the grade of Assistant Engineer (C.P.W.D.). Applications on forms other than the one prescribed for the Limited Departmental Competitive Examination (1977) for promotion to the grade of Assistant Engineer (C.P.W.D.) will not be entertained.

4. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on or before the 9th May, 1977 accompanied by necessary documents. No application received after the prescribed date will be considered.

5. Candidates seeking admission to the examination, must pay to the Commission with the completed application form a fee of Rs. 28.00 (Rs. 7.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes) through crossed Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the New Delhi General Post Office or crossed Bank Draft from any branch of the State Bank of India payable to the Secretary, Union Public Service Commission at the State Bank of India, Parliament Street, New Delhi.

Candidates residing abroad should deposit the prescribed fee in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative abroad, as the case may be, for credit to account head "051 Public Service Commission—Examination Fees" and attach the receipt with the application.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THE ABOVE REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED.

6. A refund of Rs. 15.00 (Rs. 4.00 in the case of candidate belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes) will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained except as provided above, nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

7. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERTAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.

R. S. GOEL A
Deputy Secretary,
Union Public Service Commission

ANNEXURE

INSTRUCTION TO CANDIDATES

1. Before filling in the application form, the candidates should consult the Notice and the Rules carefully to see if they are eligible. The conditions prescribed cannot be relaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE, THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION. ORDINARILY NO REQUEST FOR A CHANGE IN THE PLACE SELECTED WILL BE ENTERTAINED.

2. The application form, and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting. All entries/answers should be in words and not by dashes or dots. An application which is incomplete or is wrongly filled in, is liable to be rejected.

A candidate must submit his application through the Head of his Department or Office concerned, who will complete the endorsement at the end of the application form and forward it to the Commission.

3. A candidate must send the following documents with his application :—

- (i) CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft for the prescribed fee. (See para 5 of Notice).
- (ii) Two identical copies of recent passport size (5 cm × 7 cm. approx.) photograph of the candidate.
- (iii) Attested/certified copy of Certificate of Educational qualification. (See para 4(iii) below).

NOTE.—CANDIDATES ARE REQUIRED TO SUBMIT ALONG WITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPIES OF CERTIFICATES MENTIONED IN ITEMS (iii) AND (iv) ABOVE, ATTESTED BY A GAZETTED OFFICER OF GOVERNMENT OR CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT. CANDIDATES WHO QUALIFY FOR EVALUATION OF RECORD OF SERVICE ON THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION WILL BE REQUIRED TO SUBMIT THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULT OF THE WRITTEN EXAMINATION. THE RESULTS ARE LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF SEPTEMBER, 1977. CANDIDATES SHOULD KEEP THESE CERTIFICATES IN READINESS FOR SUBMISSION TO THE COMMISSION SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULT OF THE WRITTEN EXAMINATION. THE CANDIDATURE OF CANDIDATES WHO FAIL TO SUBMIT THE REQUIRED CERTIFICATES IN ORIGINAL AT THAT TIME WILL BE CANCELLED AND THE CANDIDATES WILL HAVE NO CLAIM FOR FURTHER CONSIDERATION.

4. Details of the documents mentioned in items (i) to (iv) of para 3 are given below :

(i) (a) CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee—

Each Postal Order should invariably be crossed and completed as follows :—

"Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi, General Post Office."

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

(b) CROSSED Bank Draft for the prescribed fee—

Bank Draft should be obtained from any branch of the State Bank of India and drawn in favour of Secretary, Union Public Service Commission payable at the State Bank of India, Parliament Street, New Delhi and should be duly crossed.

In no case will Bank Drafts drawn on any other Bank be accepted. Defaced or mutilated Bank Drafts will also not be accepted.

(ii) Two copies of Photograph.—A candidate must submit two identical copies of his recent passport size (5 cm. x 7 cm. approx.) photograph, one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy should be firmly attached with the application form. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.

(iii) Certificate of Educational Qualification (cf. Rule 3).—A candidate must submit an attested/certified copy of a certificate showing that he has one of the qualification viz. Degree or Diploma in Engineering of a University or Board approved by the Government of India or equivalent thereto. The certificate submitted must be one issued by the authority (i.e., University or other examining body) awarding the particular qualification. If an attested/certified copy of such a certificate is not submitted, the candidate must explain its absence, and submit such other evidence, as he can to support his claim to the requisite qualifications. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

(iv) A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes should submit in

support of his claim an attested/certified copy of a certificate, in the form given below from the District Officer or the Sub-Divisional Officer or any other officer, as indicated below, of the district in which his parents (or surviving parent) ordinarily reside who has been designated by the State Government concerned as competent to issue such a certificate; and if both his parents are dead the officer signing the certificate should be of the district in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own education.

The form of the certificate to be produced by the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India.

This is to certify that Shri*/Shrimati/Kumari _____ son*/daughter of _____ of Village*/town _____ in District*/Division _____ of the State*/Union Territory of _____ belongs to the _____ Caste*/Tribe which is recognised as a Scheduled Caste*/Scheduled Tribe under

the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950*

the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950*

the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951*;

the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951*;

as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification) Order, 1956. The Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970 and the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971]

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956*

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962*

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968*

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970*

2. Shri*/Shrimati/Kumari _____ and/or his*/her family ordinarily reside(s) in village*/town _____ of District*/Division _____ of the State*/Union Territory of _____

Signature.....

**Designation.....
(with seal of office)

Place.....State*/Union Territory

Date.....

*Please delete the words which are not applicable.

NOTE.—The term "ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

*Officers competent to issue Caste/Tribe Certificates.

(i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.

†(Not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).

(ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.

(iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.

(iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.

(v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer, Lakshadweep.

N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraph 3(ii), and 3(iii) above without a reasonable explanation for its absence having been given, the application is liable to be rejected and no appeal against its rejection will be entertained. The documents not submitted with the application should be sent soon after the submission of the application and in any case they must reach the Commission's office within one month after the last date for receipt of applications. Otherwise, the application is liable to be rejected.

5. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or its copies, an explanation regarding the discrepancy may be submitted.

6. The fact that an application form has been supplied on a certain date will not be accepted as an excuse for late submission of an application. The supply of an application form does not *ipso facto* make the receiver eligible for admission to the examination.

7. If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date of receipt of applications for the examination he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

8. Every candidate for this examination will be informed, at the earliest possible date, of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

9. Candidates are not entitled to receive any Travelling Allowance from the Union Public Service Commission for attending the examination.

10. *Communications Regarding Applications.*—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI (110011), AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS.

- (1) NAME OF EXAMINATION.
- (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
- (3) ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATE IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
- (4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
- (5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B.—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

11. *Change in Address.*—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED IF NECESSARY. CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 10 ABOVE, ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES, THEY CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.

SUBORDINATE SERVICES COMMISSION

NOTICE

UPPER DIVISION GRADE LIMITED DEPARTMENTAL COMPETITIVE EXAMINATION, 1977

New Delhi, the 26th March 1977

No. 13/1/77-E.A.—Subordinate Services Commission, New Delhi, will hold on 22nd and 23rd September, 1977 at Bombay, Calcutta, Delhi, Madras, Nagpur and at selected Indian missions abroad a Limited Departmental Competitive Examination for making additions to the Select List for the Upper Division Grade of the Central Secretariat Clerical Service.

2. *Conditions of Eligibility :*

Must be a permanent or temporary regularly appointed officer of the Central Secretariat Clerical Service satisfying the following conditions :—

(a) *Length of Service :* Must have, on the 1st January, 1977, rendered not less than five years approved and continuous service in the Lower Division Grade of the Central Secretariat Clerical Service.

(b) *Age :* Not more than 45 years on 1st January, 1977. Upper age limit relaxable for Scheduled Castes/Scheduled Tribes and certain other specified categories.

(c) *Typewriting Test :* Unless exempted, he should have passed the Monthly/Quarterly Typewriting Test held by the UPSC/STS/ISTM (Examination Wing)/Subordinate Services Commission on or before the notification of this examination for the purpose of confirmation in the Lower Division Grade.

3. *Fee :* Rs. 12/- (Rs. 3/- for SCs/STs.)

4. Full particulars and application forms are obtainable from Secretary, Subordinate Services Commission, West Block 1, R.K. Puram, New Delhi-110022, by remitting Re. 1.00 (Rs. 2.00 if the application form is desired to be despatched by Recorded Delivery system) by means of CROSSED (A/C Payee) INDIAN POSTAL ORDER payable to the Subordinate Services Commission at R.K. Puram, (Delivery) Post Office, New Delhi or on cash payment at the sale counter in Commission's office.

5. Completed application forms must reach the Commission by 12th May, 1976 (26th May, 1977 for candidates residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep).

NOTICE

UPPER DIVISION GRADE (RAILWAY BOARD) LIMITED DEPARTMENTAL COMPETITIVE EXAMINATION, 1977

No. 13/2/77-E.A.—Subordinate Services Commission, New Delhi, will hold on 22nd and 23rd September, 1977 at

Delhi a Limited Departmental Competitive Examination for making additions to the Select List for the Upper Division Grade of the Railway Board Secretariat Clerical Service.

2. Conditions of Eligibility :

Must be a permanent or temporary regularly appointed officer of the Railway Board Secretariat Clerical Service satisfying the following conditions :—

(a) *Length of Service* : Must have, on the 1st January, 1977, rendered not less than five years approved and continuous service in the Lower Division Grade of the Railway Board Secretariat Clerical Service.

(b) *Age* : Not more than 45 years on 1st January, 1977. Upper age limit relaxable for Scheduled Castes/Scheduled Tribes and certain other specified categories.

(c) *Typewriting Test* : Unless exempted, he should have passed the Monthly/Quarterly Typewriting Test held by the UPSC/SIS/ISTM (Examination Wing)/Subordinate Services Commission on or before the notification of this examination for the purpose of confirmation in the Lower Division Grade.

3. *Fee* : Rs. 12/- (Rs. 3/- for S.Cs./S.Ts.)

4. Full particulars and application forms are obtainable from Secretary, Subordinate Services Commission, West Block 1, R.K. Puram, New Delhi-110022, by remitting Re. 1.00 (Rs. 2.00 if the application form is desired to be despatched by Recorded Delivery system) by means of CROSSED (A/c. Payee) INDIAN POSTAL ORDER payable to the Subordinate Services Commission at R.K. Puram, (Delivery) Post Office, New Delhi or on cash payment at the sale counter in Commission's office.

5. Completed application forms must reach the Commission by 12th May, 1977.

NOTICE

GRADE 'C' STENOGRAPHERS LIMITED, DEPARTMENTAL COMPETITIVE EXAMINATION 1977

No. 13/3/77-E.A.—Subordinate Services Commission, New Delhi, will hold on 14th September, 1977 at Bombay, Calcutta, Delhi, Madras, Nagpur, and at selected Indian Missions abroad a competitive examination for recruitment to temporary vacancies in Grade C of Central Secretariat Stenographers' Service, Grade II of Stenographers' Sub-Cadre of Indian Foreign Service (B) and Grade C of Armed Forces Headquarters Stenographers' Service.

2. Conditions of Eligibility

Must be a permanent or temporary regularly appointed Grade D or Grade III Stenographer of any one of the Services mentioned above satisfying the following conditions :—

(a) *Length of Service* : Must have, on 1st January, 1977 rendered not less than three years' approved and continuous service as Grade D or Grade III Stenographer of the service concerned.

(b) *Age* : Not more than 45 years on 1st January, 1977. Upper age limit relaxable for SCs/STs and certain other specified categories.

(c) *Stenography Test* : Unless exempted, he should have passed Commission's Stenography Test for the purpose of confirmation or continuance in Grade D or Grade III of the service concerned, on or before the date of notification of this examination.

3. *Fee* : Rs. 12/- (Rs. 3/- for SCs/STs.)

4. Fully particulars and application forms are obtainable from Secretary, Subordinate Services Commission, West Block 1, R.K. Puram, New Delhi-110022, by remitting Re. 1.00 (Rs. 2.00 if the application form is desired to be despatched by recorded delivery system) by means of CROSSED (A/c

Payee) INDIAN POSTAL ORDER payable to the Subordinate Services Commission, at R.K. Puram (Delivery) Post Office, New Delhi or on cash payment at the sale counter in Commission's office.

5. Completed application forms, must reach the Commission by 12th May, 1977 (26th May, 1977 for candidates residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep).

NOTICE

STENOGRAPHERS (ORDINARY GRADE) EXAMINATIONS, 1977

No. 3/6/76-RS.—The Subordinate Services Commission will hold on 3rd July, 1977, examinations for recruitment to vacancies of Stenographers (Ordinary Grade) in the scale of Rs. 330—10—380—EB—12—500—EB—15—560 in the Subordinate Offices of the Government of India located in the States/Union Territories as shown in column (1) of the table below at the Centres mentioned in column (2) thereof. On the results of these examinations, the Commission will recommend successful candidates for filling up the existing vacancies and those vacancies which are likely to arise up to 30th June, 1978 in those Subordinate Offices of the Government of India, whose recruitment rules conform to the conditions of eligibility for these examinations as indicated in para 4 below.

TABLE

Location of Subordinate Offices and Centres of Examinations :

1. Jammu & Kashmir, Himachal Pradesh, Haryana, Punjab, Rajasthan and Union Territories of Delhi and Chandigarh—Delhi, Jaipur, Patiala, Simla and Srinagar.
2. Uttar Pradesh, Madhya Pradesh and Bihar—Allahabad, Bhopal and Patna.
3. West Bengal, Orissa, Assam, Manipur, Tripura, Nagaland, Meghalaya, Sikkim and Union Territories of Mizoram Arunachal Pradesh, and Andaman & Nicobar Islands—Agartala, Calcutta, Cuttack, and Dispur (Gauhati).
4. Gujarat, Maharashtra and Union Territories of Goa, Daman & Diu, and Dadra & Nagar Haveli—Ahmedabad, Bombay and Nagpur.
5. Andhra Pradesh, Karnataka, Tamil Nadu, Kerala and Union Territories of Pondicherry and Lakshadweep—Bangalore, Hyderabad, Madras and Trivandrum.

NOTE : A candidate will be eligible for appointment to vacancies in the Subordinate Offices located in the group of States/Union Territories shown in column (1) and should select one of the Centres, shown against that group, in column (2) of the above Table.

2. The written portion of the examinations will comprise a composite Question Paper on General Knowledge and English language carrying a maximum of 200 marks. The Question Paper will be of the "Objective" type. Candidates who attain a minimum standard in this paper, as may be fixed by the Commission in their discretion, will be tested in English/Hindi stenography, the tests for which will be held subsequently on the dates which will be notified to each eligible candidate.

The questions on General Knowledge will carry 100 marks and the candidates are expected to have some knowledge of the Constitution of India, Five-Year Plans, Indian history and culture, General and Economic geography of India, current events, everyday science and such matters of everyday observation as may be expected of an educated person. Candidates'

answers are expected to show their intelligent understanding of the questions and not detailed knowledge of any text book. The questions on English language will carry 100 marks and the papers are expected to test candidates' knowledge of English grammar, vocabulary and their power to understand and ability to discriminate between correct and incorrect usage of the English language.

The questions in the Question Paper for all candidates, who opt to appear in the stenography test in English, will be in English. The questions in the portion relating to General Knowledge in the Question Paper, for those candidates who opt to appear in the stenography test in Hindi, will be in Hindi.

The stenography test will consist of two dictations in English/Hindi, one at the speed of 100 words per minute for five minutes and the other at 80 words per minute for five minutes. The candidates who opt to take the stenography test in English will be required to transcribe both the dictated passages in 60 minutes and those who opt to take the stenography test in Hindi will be required to transcribe both the dictated passages in 75 minutes. The stenography test at each speed shall carry 300 marks. Candidates who attain the minimum qualifying standard in the stenography test at 100 words per minute will rank *en bloc* above the candidates who attain the same standard in the stenography test at 80 words per minute, persons in each group being arranged *inter se* in order of their merit as disclosed by the aggregate marks awarded to each candidate. Candidates who opt to take the stenography tests in Hindi will be required to learn English stenography, and *vice versa*, after their appointment.

3. *Reservation of vacancies*: Reservation will be made for candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes and Ex Servicemen in respect of vacancies as may be fixed by the Government of India in accordance with the orders in force.

4. *Conditions of Eligibility*:

(a) Educational Qualification: Matriculation or equivalent.

(b) Age Limits: Between 18-25 years as on 1-1-1977.

Usual relaxation in upper age limit admissible to members of Scheduled Castes, Scheduled Tribes and certain other categories as indicated below:

(i) *Members of SCs/STs*—upto 5 years; (ii) Displaced persons from Bangla Desh, Defence Services personnel disabled during hostilities and released, and Border Security Force personnel disabled in Indo-Pakistan operations of 1971 and released—upto 3 years; (iii) Repatriates of Indian origin from Burma and Sri Lanka upto 3 years, subject to the condition that the concession which was admissible to them till February 1977 is extended by the Government for such categories of candidates; (iv) Candidates of categories mentioned at items (ii) and (iii) who also belong to SCs and STs—upto 8 years; and (v) Migrants from Kenya, Uganda, Tanzania, Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia upto 3 years, subject to the condition that the concession which was admissible to them till 31st December, 1976, is extended by the Government for such categories of candidates.

The upper age limit is relaxable for ex-servicemen (as defined in the relevant rules) to the extent of their total service in the Armed Forces increased by 3 years. Ex-servicemen under this concession will be eligible to compete only for vacancies reserved for them.

Relaxation in upper age limit is also admissible to departmental candidates in accordance with the provisions contained in the Department of Personnel and Administrative Reforms O.M. No. 4/4/74-Ests (D), dated 20th July, 1976.

5. Candidates already in Government service should submit their applications through their offices.

6. Fee: Rs. 12/- (Rs. 3/- for SCs/STs). No fee for ex-servicemen. The fee mentioned above should be paid by means of Indian Postal Orders crossed "A/c payee only" payable to the Subordinate Services Commission at New Delhi Post Office, New Delhi.

7. Applications from eligible candidates, duly signed, made on plain paper giving the following information, together with prescribed fee and 3 copies of the candidate's recent photograph (passport size), must reach the Secretary, Subordinate Services Commission, 35 Community Centre, Vasant Lok, Vasant Vihar, New Delhi-110057, not later than 19th April, 1977. Applications not accompanied by the requisite fee or photographs are liable to be rejected summarily.

Information to be furnished in the Application

(1) Name of Examination; (2) Name of the candidate (in Block capitals); (3) Date of Birth (in Christian era) as recorded in Matriculation or its equivalent examination certificate; (4) Candidate's father's name; (5) Present Postal Address (Three separate slips indicating name and address of candidates should also be enclosed); (6) Educational qualifications beginning with Matriculation or equivalent examination and the name of the Board or University; (7) Whether he is a member of SC or ST; if so, attach an attested copy of the Scheduled Caste/Scheduled Tribe certificate; (8) Whether he is a displaced person/migrant from the specified countries; if so, (a) state the name of the country; (9) If Ex-servicemen give particulars with attested copies of certificate(s); (10) Centre at which he wishes to take the examination; (11) Set the language in which he wants to take the stenography test, in English or in Hindi; (12) The number of the Indian Postal Orders and their denominations enclosed; (13) Name and address of the Government office where he is working if employed; (14) Signature of the candidate with date; (15) In case of departmental candidates and candidates already in Government service, applications should be sent with an endorsement duly signed by the Head of Department/Office forwarding the application.

NOTE: (1) The envelope containing the application should be superscribed in bold letter as—"APPLICATION FOR STENOGRAPHERS (ORDINARY GRADE) EXAMINATIONS, 1977".

(2) Original certificates should not be submitted with the application.

(3) Unsigned application will not be accepted.

MADAN LAL, Sec
Subordinate Services Commission

